



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15, 1975 (कार्तिक 24, 1897)
No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15, 1975 (KARTIKA 24, 1897)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं. ए० 11013/2/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 6-9-75 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित तीन अधिकारियों को 1-10-75 से एक मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तर्फे आधार में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं० नाम क्र० स० से० सं० बर्ग में पद का नाम

सर्वश्री

1. बी० एस० कपूर — अनुभाग अधिकारी
2. बी० एन० अरोड़ा — अनुभाग अधिकारी
3. के० एल० कत्याल — सहायक

2. उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका बेतन समय समय पर परियोगित वित्त मंत्रालय के 1—326GI/75

का० जा० सं० एफ० 10(24)—ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

पी० एन० मुख्यर्जी,
अवर सचिव
हाते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं. पी०/1861-प्रशा० I—भारतीय राजपत्र सेवा (आय कर) के अधिकारी श्री ए० एम० खेर ने 9 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एन० मुख्यर्जी,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
महानिरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 सितम्बर 1975

सं. ई०-38013(3)/8/75-प्रशा०-I—धम्बा को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० जी० थम्बी ने दिनांक 11

सितम्बर, 1975 के प्रपराह से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला स्टील प्लाट, राउरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 8 अक्टूबर 1975

सं० ई०-38013(2)/6/75-प्रशा० I—श्री के० एन० कपूर, आई० पी० एस०, ने दिनांक 1 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत भारी विद्युत लिमिटेड, नई दिल्ली, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बम्बई हवाई पत्तन, के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 15 अक्टूबर 1975

सं० ई०-38013(3)/21/75-प्रशा० I—कलकत्ता से स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० पी० मिश्र ने दिनांक 3 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट भारत उर्वरक निगम, नामरुप, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० ई०-38013(2)/13/75-प्रशा० I—श्री शिवराज सिंह ने दिनांक 10 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उत्तर व पश्चिम क्षेत्र तर्फे विल्सों के सहायक महानिरीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उत्तर व पश्चिम क्षेत्र, बम्बई हवाई पत्तन के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय तर्फे विल्सों में होगा।

2. श्री के० एन० कपूर आई० पी० एस० ने दिनांक 10 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बम्बई हवाई पत्तन, नई दिल्ली, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, उत्तर व पश्चिम क्षेत्र, नई दिल्ली, के सहायक महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० ई०-38013(3)/11/75-प्रशा० I—श्री जी० पट० प्रस्थ० ने दिनांक 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम (नामरुप) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार, जिसका मुख्यालय तर्फे दिल्ली में था, छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत भारी अधियन्त्रण विं० (हरिद्वार) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय तर्फे विल्सों में होगा।

एल० एस० शिष्ठ,
महानिरीक्षक

समन्वय निदेशालय, पुलिस बेसार
नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० ए० 38/3/71-वायरलैस—श्री एम० ए० किनी, प्रतिरिक्ष निदेशक जिनको कि 14-10-1975 प्रपराह्न तक रखा था अब 15-10-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक प्रतिरिक्ष सहायक के पद पर अस्थायी आधार पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन मात्र में नियुक्त किया जाता है।

छात्रपति जोशी,
निदेशक
पुलिस दूर संचार

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

नई दिल्ली-16, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 11(1) 28/72-प्रशा०-केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के वरि० अनु० श्री देवलाल को दिनांक 1-10-1975 को अनु० अधि० के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया जाता है।

गोविन्द मिश्र,
निदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 11/6/75-प्रशा० I—राष्ट्रपति, श्री अर्दमान सिंह को जनगणना कार्य उपनिवेशक के पद पर 18 अक्टूबर, 1975 से स्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री अर्दमान सिंह इस समय जनगणना कार्य उपनिवेशक के पद पर हरिद्वार, छोड़िगढ़ में स्थानापन है।

बद्री नाथ,
उपमहापंजीकार और भारत सरकार के प्रबन्ध
उप-मंत्रिय

किंतु मन्त्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास

देवास, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० बी०एन०पी०/सी०/93/74—श्री एम० एस० वेशपाण्डे, स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक, प्रतिभूति कागज कारबाना, होशंगाबाद की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में नियन्त्रण अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई नियुक्ति 1-10-1975 से 30-9-1976 (प्रपराह्न) तक नियमित आधार पर निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुख्यमंत्री,
महाप्रबन्धक

दिनांक 23 अक्टूबर 1975

इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 7(35) 14385
दिनांक 17-3-1975 (प्रतिलिपि संलग्न) के आगे श्री एन० पी० सिंह फोरमैन (यांत्रिक) को प्रतिभूति कागज कारखाना होशगाबाद में 1-10-1975 से 17-11-1975 तक रूपये 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में संहायक अधियन्ता (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

श० रा० पाठक,
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परिष्का तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार महाराष्ट्र I

बम्बई, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

स० प्रशा०-I/आई० ए० डी०/31-वाल्युम II/8—महालेखाकार महाराष्ट्र I बम्बई अधिनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सर्वस्यों को उनके नाम के समूख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूपये लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1	2	3
1.	श्री एम० एस० प्रभुदेशाई	28-2-75 पूर्वाह्नि
2.	श्री पी० एस० नरसिंहन्	28-2-75 पूर्वाह्नि
3.	श्री एस० एस० हेमराजानी	31-3-75 अप्र०
4.	श्री के० एस० रामस्वामी	30-4-75 पूर्वाह्नि
5.	श्री के० छ्ही० श्रीनीवासन्	28-7-75 पूर्वाह्नि
6.	श्री आय० एस० गुप्ता	30-7-75 पूर्वाह्नि
7.	श्री जी० बी० माधवकर	31-7-75 पूर्वाह्नि
8.	श्री आर० सूर्यनारायणन्	31-7-75 पूर्वाह्नि
9.	श्री ए० आर० श्रीएण्	13-8-75 पूर्वाह्नि
10.	श्री जी० श्रेम० महाले	13-8-75 पूर्वाह्नि

1	2	3
11.	श्री जी० के० टिलक	1-9-75 अप्र०
12.	श्री बी० एस० फुलकर्णी	15-9-75 पूर्वाह्नि
13.	श्री ए० एस० गोपालन्	3-9-75 पूर्वाह्नि
14.	श्री पी० बी० लेलंग	6-9-75 पूर्वाह्नि
15.	श्री ए० एन० सरदेसाई	6-9-75 पूर्वाह्नि
16.	श्री एन० गोपालन्	9-9-75 पूर्वाह्नि

श्री जी० के० टिलक एवं श्री ए० एस० गोपालन् की नियुक्ति अनन्तिम है तथा उच्च न्यायालय (न्याय व्यवस्था) बम्बई के सम्बुद्ध विचारार्थी रिट अर्जी के अन्तिम निर्णय के अधीन रहते हुए की गयी है।

दिनांक 18 अक्टूबर 1975

स० प्रशा० I/आई० ए० डी०/31-वाल्युम II/7—महा
लेखाकार, महाराष्ट्र, अधीन लेखा सेवा के सदस्य श्री टी० ए० अनन्तनारायणन् को दिनांक 3-10-1975 पूर्वाह्नि से अपने कार्यालय म, आगे आदेश होने तक, लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)
ए० बी० पालेकर

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय

कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 10 अक्टूबर, 1975

स० स्थापना I/ए० 4/402—महालेखाकार इस कार्यालय का स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एस० वेणिकाचारी को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले अगले आवेदन जारी होने तक लेखा अधिकारी पद में इसी समर्थने अथवा वह उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

इ० बी० चंद्रशेखरन्,
वरिष्ठ उप-महा लेखाकार प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, लेखा महा नियंत्रक,

नई विल्ली-110022, दिनांक अक्टूबर 1975

स० 23012(1)/75/प्रशा०-ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक एतद्वारा निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के समर्थने लिखी हुई तारीखों के पूर्वाह्नि से मूल पदधारी लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	सर्गठन जिसमें सेवारत है	प्रभावी तारीख
1	2	3	4
सर्वेश्वरी			
1.	हृष्ण लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-1974
2.	इन्द्रराज सिंह सरन	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ	1-8-1974
3.	के० पंचापोशन	रक्षा लेखा नियंत्रक, कमान, पूना	1-8-1974
4.	रनजीत सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-1974

1	2	3	4
	संवेशी :		
5.	टी० बी० बालामुक्तामनियम	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक), दक्षिणी, मद्रास	1-8-1974
6.	देव प्रकाश मोहन्दा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (बायु सेना), देहरादून	1-8-1974
7.	जगदीश लाल पुरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-1974
8.	ब्रजलाल सारदा (सेवामुक्त हो गये)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (बायु सेना) देहरादून	1-8-1974
9.	हरबन्स लाल जन्जीखेल	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), इलाहाबाद	1-8-1974
10.	प्रबीर चन्द्र घोष	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-8-1974
11.	एस० बर्दाचारी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (बायु सेना) बेहरादून	1-8-1974
12.	बाई० भास्कर राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन), इलाहाबाद	1-8-1974
13.	के० रामाधुरे	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-8-1974
14.	सी० आर० भट्टाचार्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	1-8-1974
15.	एस० बी० फड़के	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-1974
16.	जे० आर० दास गुप्ता, (सेवा निवृत्त हो गये)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-8-1974
17.	शान्ती प्रकाश अग्रवाल (सेवा निवृत्त हो गये)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-1974
18.	विरेश्वर मिश्रास (सेवा निवृत्त हो गये)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेशन), इलाहाबाद	1-8-1974
19.	एम० आर० के० शास्त्री	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिणी, मद्रास	1-8-1974
20.	एम० गनेशन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-8-1974
21.	आई० सी० राजबन्धी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक), उत्तर, मेरठ	1-8-1974
22.	पारीमल छटर्जी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	1-8-1974
23.	एस० राजामणि	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-8-1974
24.	ए० सोमा सुन्दरम्	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-8-1974
25.	हरि कुण्ड लाल मलिक	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-1974
26.	राम रतन शर्मा (सेवा निवृत्त हो गये)	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिम कमान, मेरठ	1-8-1974
27.	पूरन चन्द्र सरपाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-8-1974
28.	ई० आर० बालामुक्तामनियम	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेशन) इलाहाबाद	1-8-1974
29.	गोरखन दास	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	1-8-1974
30.	जी० एम० टिपनिस	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-8-1974
31.	कुलदीप बगा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेशन) इलाहाबाद	1-8-1974
32.	एस० के० राय	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	1-8-1974
33.	पी० एस० सेशप्पा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-8-1974
34.	बी० आर० शीसद्री	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना	1-8-1974
35.	हिरनमय दसा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना	1-9-1974
36.	के० बी० कुण्डास्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-9-1974
37.	हरबन्स लाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-1974
38.	के० के० गोविन्दन नम्बियर	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-9-1974
39.	के० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-9-1974
40.	गोकेल श्रीनिवासमूर्ती	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना	1-9-1974
41.	राधा रमन छटर्जी (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-9-1974

1 2

3

4

संघर्षी

42. बी० के० मुत्थूस्वामी .	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-9-1974
43. एस० एस० सदागोपन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-9-1974
44. के० जे० नरसिंहा राव	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-9-1974
45. चन्द्र प्रकाश गुलाटी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-9-1974
46. टी० ए० मथमस (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई	1-9-1974
47. टी० एस० रामामूर्ति .	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-10-1974
48. एल० आर० सेशामी राव (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-10-1974
49. मुबोध कुमार राय चौधरी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-10-1974
50. टी० देव राय	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-10-1974
51. के० सीतारमया . (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-10-1974
52. एम० ए० जोगलेकर .	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-10-1974
53. किशोर चन्द्र (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ 28-10-1974	
54. किंदार नाथ खाना .	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-11-1974
55. एन० आर० ओस	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-11-1974
56. वेद प्रकाश छिब्बड	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-11-1974
57. श्री राम तन्वर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पैशन) इलाहाबाद	1-11-1974
58. बी० बी० चिट्ठनिस	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-11-1974
59. जी० बी० साठे (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-11-1974
60. बी० शिवारामकृष्णन .	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-11-1974
61. वाई० राधाकृष्णन .	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	8-11-1974
62. बी० एच० कटककर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-12-1974
63. ए० सी० जैन .	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-1974
64. अमर नाथ	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-12-1974
65. बी० डी० महाजन .	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-12-1974
66. हेमराज बाँका (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-1974
67. रोशन लाल कालरा	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-12-1974
68. बिक्रमजीत ग्रोवर	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-1974
69. राम प्रसाद थप्पलियाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-12-1974
70. एस० के० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-12-1974
71. जे० सी० गुलाटी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-1974
72. सोम नाथ मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-1974
73. बालु शंकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-12-1974
74. ए० जानकीरमन	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-12-1974
75. पी० तिरुमूर्ति नायडू	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-1974
76. पी० रामा राव०	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौसेना) बम्बई	1-12-1974
77. बी० एस० राजहंश	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-12-1974
78. दीवान सिंह सुदन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ	1-12-1974
79. लेखा राम .	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-1974

1	2	3	4
	सर्वश्री		
80.	कृष्णल सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-1974
81.	खीराती लाल कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-12-1974
82.	भैगत राम शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-12-1974
83.	जी० के० रामाचन्द्रन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास	1-12-1974
84.	बी० छी० करत्तीकर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	27-12-1974
85.	एम० ए० खिस्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-1-1975
86.	बी० कुण्डाचारी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-1-1975
87.	वाह० वी० रमद्वा राधा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-1-1975
88.	एम० ए० दत्ता	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-1-1975
89.	जी० छी० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-1-1975
90.	प्यारे लाल प्रगताल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-1-1975
91.	जैगदीश बन्द्र	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान, जम्मू	1-1-1975
92.	तीरोपव मित्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-1-1975
93.	लीसाधर तनेजा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-1-1975
94.	ए० के० छटजी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	16-1-1975
95.	सी० ए० ग्राहाहम	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-2-1975
96.	टी० छी० भट्टाचार्य	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-2-1975
97.	आर० दुर्योगस्वामी	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-3-1975
98.	एम० सेथुरमन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-1975
99.	सुकुमार मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-3-1975
100.	राम दंसा इस्सर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-1975
101.	आर० बालासुद्रामनियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-3-1975
102.	पी० सैमुद्रल (सेवा निवृत्त हो गए)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेशन) इलाहाबाद	1-3-1975
103.	ए० बालाकृष्णन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-3-1975
104.	एन० रामाकृष्णन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-1975
105.	के० के० बासु	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेशन) इलाहाबाद	1-3-1975
106.	एन० सुब्रामनियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-3-1975
107.	एस० एन० मूर्ति	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-3-1975
108.	मूल चन्द्र	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-1975
109.	के० एन० बी० कृष्णन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-4-1975
110.	मुकुम्द चन्द्र जोशी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-4-1975
111.	के० एस० नरसिंह ग्रथ्यर	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-4-1974
112.	के० सी० घोष	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	1-4-1975
113.	एम० के० सान्याल	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेशन) इलाहाबाद	1-4-1975
114.	एस० शी० सुन्दरेश्वरन्	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना	1-4-1975
115.	टी० के० सुब्रामनियन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	1-4-1975
116.	के० ए० सन्करन	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-4-1975
117.	के० एन० कल्याणसुन्दरम	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास	7-4-1975
118.	एम० जी० जोशी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), उत्तर मेरठ	10-4-1975
119.	रोकेन लाल बग्गा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-1975
120.	बी० एन० चक्रवर्ती	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून	1-5-1975
121.	श्रीरंति भट्टाचार्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), उत्तर मेरठ	1-5-1975
122.	डी० पी० चडा	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक), उत्तर मेरठ	1-5-1975
123.	टी० सी० राजपाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना	1-5-1975

एस० के० सुन्दरेश्वर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० ६८०१९'(१)/७३/प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियन्त्रक, रक्षा लेखा विभाग के श्री बर्जीर चन्द, अनुभाग अधिकारी (लेखा) (जो कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर थे) को अनुक्रम नियम के अधीन स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में रु० ४४०-४०-१०००-द० रु०-४०-१२०० के बेतनमान में पहली अप्रैल १९७५ (पूर्वाह्न) से १६ जून १९७५ तक नियुक्त करते हैं।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-४०००२०, दिनांक 24 अक्टूबर १९७५

सं० ई० एस० टी० १-२(३४७)—श्रीमान् राष्ट्रपति, बम्बई कार्यालय, बम्बई के सहायक निदेशक, प्रथम श्रेणी (नानटेक्नीकल) श्री शांतिवाल लालाभाई परजिया को १ अगस्त १९७५ के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में उपनिदेशक (नान टेक्नीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. उप निदेशक (नान टेक्नीकल) श्री परजिया ३० सितम्बर १९७५ के अपराह्न से सेवा निवृत हो गये।

दिनांक 25 अक्टूबर १९७५

सं० ई० एस० टी० १-२(४३२)—श्रीमान् राष्ट्रपति, वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के निदेशक श्री कस्तुरी अर्यगार नरसिंहन को ८ अक्टूबर १९७४ के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में ग्रीष्मीयिक सलाहकार तथा प्रदेन संयुक्त वस्त्र आयुक्त के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र पाल कपूर,
वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानियन्त्रक

पूर्ति विभाग

(प्रशासन शाखा १)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० प्र०-१/१(१०३०)—महानियन्त्रक, पूर्ति तथा नियन्त्रक एतद्वारा नियन्त्रक निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री जे० जी० अर्ह० जैकब को दिनांक 22 अगस्त, १९७५ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा नियन्त्रक नियन्त्रक, बम्बई में पदर्थ आधार पर सहायक नियन्त्रक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-१/१(८६)—राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति नियन्त्रक में पूर्ति नियन्त्रक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री अरदमन सिंह को दिनांक 29 अगस्त, १९७५ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा नियन्त्रक महानियन्त्रक, नई दिल्ली में पूर्ति नियन्त्रक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० प्र०-१/१(१०३६)—महानियन्त्रक, पूर्ति तथा नियन्त्रक एतद्वारा नियन्त्रक नियन्त्रक (धातुकर्म) जमशेदपुर में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री दी० डाइल को दिनांक ८ सितम्बर, १९७५ के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक नियन्त्रक नियन्त्रक, मद्रास में सहायक नियन्त्रक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एस० कोइरली
उप-नियन्त्रक (प्रशासन)

इस्पात व खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियन्त्रण

कलकत्ता-७०००२०, दिनांक अक्टूबर २९७५

सं० ई०-१-१३(४३)/७१—बड़ाबास्था की आयु सीमा को पूरा कर उप-सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक श्री ज्योतिर्मय बसु ३० सितम्बर १९७५ के मध्याह्न से आवकाश ग्रहण कर रहे हैं।

ए० सी० कट्टरी,
उप-नियन्त्रक (प्रशासन)
कुते लोहा और इस्पात नियन्त्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

बैहुराम्बून, दिनांक १५ अक्टूबर १९७५

सं० सी०-४२८१/४२४-एस० ए०-४२८१(४०)—श्री रबेल सिंह, भंडार लालाभान (संस्कृतण ग्रेड) (स्थानापन्न) जिन्हें इस कार्यालय की भूमिसूचना संख्या सी०-४९४६/४२४-एस० ए०-४२८१(४०) दिनांक ६ अगस्त, १९७५ के प्रक्षेत्र ज्योड़ीय एवं अनुसंधान शाखा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में (सा० के० से० श्रेणी-II) स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, को सहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में २९ अगस्त, १९७५ से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
भारत के प्रहासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्रतिकारी)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० 6/5/74-पुरा०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 615/74-दिनांक 18-5-75 द्वारा बंगलौर (टीपू सुलतान पैलेस, बंगलौर') में स्थापित विशेषज्ञों की समिति को निष्प्रभावी करते हुए, यह निश्चित किया गया है कि पुर्णगठित समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे:—

1. श्री एस० आर० राव अधीक्षण पुरातत्ववेता संघीयक सम्प्रदाय दक्षिणी मंडल, संघा 1382, 32 कास चौथा ब्लाक, जय नगर, बंगलौर।
2. निदेशक पुरातत्व और संग्राहालय (कर्नाटक सदस्य राज्य) मैसूर।
3. मुख्य पुरालेखविद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सदस्य 100 फीट रोड मैसूर।
4. डा० शिवराज कर्ण ठोडाइ (दक्षिण कनारा) सदस्य कर्णटिक।
5. डा० ए० सुन्दर, रीडर, धारवार विश्वविद्यालय सदस्य धारवार।

एन० आर० बैनर्जी,
निदेशक (पुरावशेष)
हृते महानिदेशक

भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० एफ० 90-1/71-स्थापना—14329—श्री एस० एन० शोशाल, प्रधान पुस्तकालय भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग में उसी पद पर 3-9-1971 से स्थिर हो गये हैं।

डा० स० खेरा,
उप-निदेशक-प्रभारी

आकाशवाणी महानिदेशकालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1975

सं० 4(63)/75-एस०-एक—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० बी० शास्त्री को 27 अगस्त, 1975 (अपराह्न) से अग्रेतर आवेदों तक, आकाशवाणी, अहमदाबाद में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रमनिष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० 3(128) 60-एस० धो—महानिदेशक आकाशवाणी, श्री जयाहर सिंह, मुख्य लिपिक, दूरध्वंशन केन्द्र, आकाशवाणी,

नई दिल्ली, को दिनांक 15-10-1975 (पूर्वाह्न) से रेडियो काशमीर, जम्मू में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सैन पौधी,
अनुभाग अधिकारी
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1975

सं० 13-4/74 एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० प्रमोद कुमार सरीन को 12 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से श्रागामी आवेदों तक विलिंगड़त अस्पताल एवं उपचर्या गृह, नयी दिल्ली में स्थानापन्न रूप से दत्त चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० 28-8/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री एस० पी० श्रीवास्तव को श्री बी० एस० कृष्णामूर्ति के स्थान पर, जो छुट्टी पर है, 6 अक्टूबर, 1975 से 28 अक्टूबर, 1975 तक की और अधिक के लिए क्षेत्रीय सं० सं० राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बड़ीदा में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

हृषि एवं सिंचाई भवालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1975

सं० फा० 4-5(46)/74 ए०-१—५८ वर्ष की आयु पूर्ण करने पर श्री ओ० एन० गर्ग, विपणन अधिकारी लखनऊ, दिनांक 31-7-1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एन० के० मुरलीधर राव,
हृषि विपणन सलाहकार

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 15 सितम्बर 1975

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/286/72: 1190—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, श्री अस्वालम नारायणसामी श्री निवासन गोविन्दसीभी को 17-11-72 से उसी केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० भंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० ई० (1) 06950—वेधशालाओं के महानिदेशक मद्रास के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन विशेषज्ञापत्रनम के मौसम कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एस० स्थानु सुब्रह्मण्या आध्यार को जो कि इस विभाग की दिनांक 1 सितम्बर, 1975 की अधिसूचना संख्या ई० (1) 06950 द्वारा 30 सितम्बर, 1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किए गए थे, 1 अक्टूबर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० एस० आध्यार 15 सितम्बर, 1975 से बम्बई के प्रादेशिक मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

दिनांक अक्टूबर 1976

सं० ई० (1) 04281—वेधशालाओं के महानिदेशक बम्बई के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एस० बी० पुन्डले को 22-9-1975 के पूर्वाह्न से 12-12-1975 तक छासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० बी० पुन्डले बम्बई के प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० ई० 32013/9/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो नियमण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी श्री ए० के० मिश्र को 1 अगस्त, 1975 से तथा अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त तथा उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० ई० 32013/5/75—राष्ट्रपति ने तदर्थ आधार पर काम कर रहे तिन्मलिखित पांच वरिष्ठ संचार अधिकारियों को 29-4-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

1. श्री किशोर कन्दानी
2. श्री बी० के० कालरा
3. श्री एस० सी० गोस्वामी
4. श्री आर० पी० शर्मा
5. श्री एल० आर० गर्ग

2. एतद्वारा इस विभाग की 18-8-1975 की अधिसूचना संख्या ए० 32013/5/75 ई० सी० रद्द की जाती है।

दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32014/3/75 ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० पी० सहगल, संचार सहायक को श्री सी० एल० मोगा, सहायक संचार अधिकारी की छुट्टी रिक्ति में 10-9-75 (पूर्वाह्न) से वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 17 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/2/75-ई० (एच०)—राष्ट्रपति, ने श्री जे० एस० चौधरी को 10 सितम्बर, 1975 की पूर्वाह्न से तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में, निदेशक, विमानमार्ग और विमानक्षेत्र (योजना) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० 1/370/75-स्था०—श्री रामशिरोमणी, स्विचिंग काम्लेक्स, बम्बई-18 सितम्बर 1975 से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से तकनीकी सहायक नियुक्त किया जाता है।

सं० 10/2/75-स्था०—निम्नलिखित बाराह सहायक अभियन्ता प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट शाखा में और दिनांक से तथा आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

क्रमांक	नाम	तैनाती की शाखा	स्थानापन्न के रूप में नियुक्ति का दिनांक
1.	श्री राजन पाल सिंग	स्विचिंग काम्प-लेक्स, बम्बई	19-7-1975
2.	श्री अनुपम विश्वास	स्विचिंग काम्प-लेक्स, बम्बई	25-8-1975
3.	श्री एस० के० चक्रवर्ती	बम्बई शाखा	15-9-1975
4.	श्री एम० बी० सुब्रह्मण्यन्	बम्बई शाखा	6-9-1975
5.	श्री सुन्दर समेतर सिंग	घोणड शाखा	12-9-1975

1	2	3	4
6.	श्री सी० एस० सुंगंध	आर्वी शाखा	15-9-1975
7.	श्री डी० गोपाला	घोड़शाखा / बम्बई	22-9-1975
	दिल्लीकन्	शाखा	
8.	श्री राजेन्द्र	कुमार	बोण शाखा
	कालरा		29-9-1975
9.	श्री आर० नाडाराजन०	स्विचिंग काम्पे-	30-9-1975
		क्स, बम्बई	
10.	श्रीनील कुमार	बम्बई शाखा	15-10-75
11.	श्री विनाश सी० अरोरा	आर्वी शाखा	9-10-1975
12.	श्री भाष्टचन्द्र जैन	आर्वी शाखा	15-10-1975

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० 1254/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री एफ० पालिश्रथ को एक रिक्त स्थान के विपरीत 8-9-75 से लेकर 30-9-75 (दोनों दिन समेत) तक की अधिकारी के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रन्वन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
हूते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहृतालिय
दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1975

(स्थापना)

सं० 116—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृता कार्यालय दिल्ली के श्री द्वारका नाथ रैना, निरीक्षक (से० ग्रेड) ने जिन्हें रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में स्थानापन्न तौर से काम करते के लिए नियुक्त किया गया है, दिनांक 4-8-75 के पूर्वाह्न में श्री केदार सिंह से, जिनका स्थानान्तरण हो गया है, अधीक्षक, सीमा शुल्क, श्रेणी-II, हवाई भाल यूनिट, पालम के पद का कार्यभार ले लिया।

सं० 117—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृता कार्यालय, दिल्ली के श्री एम० एस० ब्रेदी, निरीक्षक (से० ग्रेड) ने, जिन्हें रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-II के पद स्थानापन्न रूप से कार्य करते के लिए नियुक्त किया गया है, दिनांक 5-8-75 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (निवारक) प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 118—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृता कार्यालय, दिल्ली के श्री एस० एल० चड्ढा, निरीक्षक (से० ग्रेड) ने, जिन्हें रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-II के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है, दिनांक 1-8-75 के अपराह्न में, श्री आर० डी० वासुदेवा से, जिनका स्थानान्तरण चंडीगढ़ समाहृता कार्यालय में हो गया है, अधीक्षक (बैगेज) प्रधान कार्यालय नई दिल्ली के पद का कार्यभार ले लिया।

एम० एस० मेहता,
समाहृता

—

बंगलौर, दिनांक 11 सितम्बर 1975

सं० 15/75—श्री बी० आर० कलवादकर, स्थायी निरीक्षक (प्र० ग्र०) के० उ० शु० को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के समय-मान में स्थानापन्न अधीक्षक के० उ० शु० श्रेणी-II के रूप में पदोन्नति किया गया है और 30-8-75 के अपराह्न को चिक्कामंगलौर बहुपदीय अधिकारी रेंज में के० उ० शु० अधीक्षक, श्रेणी-II, का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० वैकटराम श्रव्यर,
समाहृता

—

इलाहाबाद, दिनांक 6 अक्टूबर, 1975

सं० 135/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय बरेली में तैनात और इस कार्यालय के पक्ष संबंधानो (3) 2-स्था/75 दिनांक 2 सितम्बर 1975 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 244/1975, दिनांक 1 सितम्बर 1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो के पद पर नियुक्त श्री सोम नाथ मरवाहा, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मंडल कार्यालय, सीतापुर में रिक्त स्थान पर दिनांक 15 सितम्बर 1975 को (दोपहर के बाद) अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, लखीमपुर खीरी के पद का कार्यभार प्रहण कर लिया।

एच० बी० दास,
समाहृता,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

(केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग)

गुन्डूर-522004, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० 14—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थायी निरीक्षक (वरिष्ठ पदक्रम) श्री के० झंगेश्वर राव को, अगला आदेश होने तक गुन्टुर

स्थित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के समाहर्ता कार्यालय में, स्थानापन्न रूप से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-, नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 11 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II का कार्यभार संभाल लिया है।

आई० जे० राव,
समाहर्ता

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड
फरीदाबाद, दिनांक 1975

सं० 6-134/73-सी० एच० (ई०)—श्री पी० सी० घोष को सहायक रसायनक वर्ग के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०- 40-1200 के अन्तर्गत अस्थाई व तदर्थ आधार पर उनके मुख्य कार्यालय केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड कलकत्ता के साथ, दिनांक 8-9-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख,
मुख्य जल भू-विज्ञानी

दक्षिण मध्य रेलवे
प्रधान कार्यालय (कार्मिक शाखा)

सिकन्दराबाद, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

सं० पी० 185/गजट/मेक०—श्री पी० सी० कुमार, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरी सेवा के अधिकारी (परिवीक्षाधीन) को, इस रेलवे में यांत्रिक सेवा की श्रेणी-I/अवर वेतनमान में 28-7-1975 से स्थायी किया जाता है।

के० एस० राजन
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स अहमदाबाद स्मॉल स्केल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज एसोशिएशन लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

सं० 560/871—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स अहमदाबाद स्मॉल स्केल इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज एसोशिएशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषयित हो गई है।

जे० गो० गाथा
प्रमंडल पंजीयन, गुजरात राज्य
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 सिटी टैक्सी सरविसिज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैवराबाद-1, दिनांक 20 अक्टूबर 1975

सं० 1058 टी० (560) कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है

कि इस सारीख से तीन माह के अवसान पर सिटी टैक्सी सरविसिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आनंद प्रदेश
हैदराबाद

कार्यालय आयकर आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

आयकर विभाग

सं० एफ-48 (सी०)-ए०टी० (ए०टी०)/75—श्री एल० प्रार० अप्रबाल, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, जिन्हे आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर प्रस्थायी क्षमता में 1-7-1975 से 30-9-1975 तक के लिए सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी। (देखिए कार्यालय अधिसूचना सं० एफ० 48-ए०टी० (ए०टी०)/75-पी०-II दिनांक 31-7-1975), को आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में नियमित आधार पर (प्रोत्साहन यथांश में) सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1-10-1975 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880- 40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर अगले आदेश मिलने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे 1-10-1975 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों की परिवीक्षा अवधि में रहेंगे।

2. श्री आर० सी० श्रीवास्तव, अधीक्षक, आयकर-अपील अधिकरण, जिन्हे आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में तदर्थ आधार पर प्रस्थायी क्षमता में 1-7-1975 से 30-9-1975 तक के लिए सहायक रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी। (देखिए कार्यालय अधिसूचना सं० एफ० 48-ए०टी० (ए०टी०)/75-पी०-II दिनांक 31-7-1975) को आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में नियमित आधार पर (प्रोत्साहन यथांश में) सहायक रजिस्ट्रार के पद पर 1-10-1975 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान पर अगले आदेश मिलने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे 1-10-1975 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों की परिवीक्षा अवधि में रहेंगे।

हरनाम शंकर,
अध्यक्ष

कार्यालय, आयकर आयुक्त, विहार-I तथा II, पटना

पटना, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० रिक्वरी/VI-5/75-76/49089—यतः केन्द्रीय सरकार की राय में जनहित की दृष्टि से यह प्रावधान एवं समीचीन है कि

उन निर्धारितियों के नाम तथा अन्य विवरण प्रकाशित किये जायें जिनके मामलों में एक लाख से अधिक की राशि बढ़े खाते में डाल दी गई है, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 287 के अन्तर्गत

मैं उन निर्धारितियों के नाम एतद् द्वारा प्रकाशन के लिए अधिसूचित करता हूँ जिनके मामले में वर्ष 1974-75 के अन्तर्गत एक लाख से अधिक की राशि बढ़े खाते में डाल दी गई है।

क्र० सं०	निर्धारितियों का नाम/व्यक्ति	स्तर	बढ़े खाते में डाली गई मांग की राशि (वर्ष के साथ जिसमें यह उत्पन्न हुआ)	आदेश की सं० तथा तिथि जिसके अनुसार राशि बढ़े खाते में डाली गई
1	2	3	4	5
(1)	मेसर्सं द्वारिका दास एण्ड कं०, गया	यू० आर० एफ०	1948-49 र० 74,190 र० 41,082 1949-50 र० 5,231 1950-51 र० 12,630	आयकर आयुक्त बिहार-I के आदेश दिनांक 20-3-1974 के अनुसार
			र० 1,33,133	
(2)	मेसर्सं हलधर एण्ड कं० (प्रा०) लि०, पटना	कं०	1968-69 र० 347 1969-70 र० 6,120 1970-71 र० 24,533 1971-72 र० 1,14,337 1972-73 र० 57,999 1973-74 र० 69,475	आयकर आयुक्त बिहार-II, पटना के आदेश दिनांक 29-3-75 के अनुसार
				2,72,811

टिप्पणी—यह विवरण कि किसी व्यक्ति पर बकाया कर बढ़े खाते में डाल दिया गया है, केवल यह अर्थ रखता है कि आयकर विभाग की राय में प्रकाशन की तिथि तक निर्धारिती के ज्ञात थोतों से इसे वसूल नहीं किया जा सकता

है। प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि राशि कानूनन अशोध्य (न वसूल किए जाने योग्य) है या कि निर्धारिती को देय राशि अदा करने की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

एस० आर० खराबन्दा,
आयकर आयुक्त, बिहार-I, पटना

प्रूप आई० टी० एन० एस—

(1) Kakarlamudi Gurumurthy,
S/o Dakrishnamurthy,
Rajahmundry.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) R. I. Mathai,
S/o Isaiah.

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, I काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 249/J. No. I(601)/EG.—

अतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 26-3-6, Danavaipetta, है, तथा जो Rajahmundry में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से वाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No .664/75 SRO,
Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 25-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आर्ड० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 255/J. No. I(604)/EG.—

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं।

8-20-10, Chavalivari Street, Gandhinagar, है, तथा जो Kakinada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) E. Ramanujamma,
W/o Chinnaswamy,
Retd. Forest Officer, Srinagar,
Kakinada.

(अन्तरक)

(2) M. Ranganathi,
W/o M. Subbaraju,
Ramaraopeta,
Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1387 of the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्रूप आई० ई० एन० एस०————

(1) Dr. H. M. Lazarus,
Visakhapatnam.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) Miss Gowthami Chowdary,
D/o Dr. Venkaiah Chowdary.

(अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 257/74-75/VSP. No. 209.—

यतः मुझे B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
10-15-1, Waltair Main Road, है, तथा जो Visakhapatnam
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Visakhapatnam में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-2-75 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 361/75 of
the SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada.अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 28-10-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Dr. H. M. Lazarus,
Visakhapatnam.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 28 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 258/VSP. 210/74-75.—

यतः मुझे, B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 10-15-1, Waltair Main Road, है तथा जो Visakhapatnam में स्थित है, (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Visakhapatnam में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15 फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के द्वारा निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(2) Dr. (Mrs). Basava Punnamma Chowdary,
W/o Dr. Venkaiah Chowdary,
Visakhapatnam.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्करण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 362 of the SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 28 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जे० एच० तारापूर, मद्रास-31

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती उषा नायर, मद्रास-31

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

निर्वेश सं० 9/2/14/75-76:— यतः, मुझे, जी रामनाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 15, हारिटंन रोड, मद्रास-31 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मद्रास 31, हारिटंन रोड डोर सं० 15 (आर० एच० सं० 324, 329 प्लाट सं० के०) में 2 ग्राउन्ड और 2255 स्क्युर फीट की खाली भूमि ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपक्रियों, अर्थात् :—

3—326GI/75

तारीख: 30-10-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री जे० एच० लारापुर मद्रास -31 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सपि रेही, मद्रास -31 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30-10-1975

निवेश सं० 9/1/33/75-76—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० 15 हारिटेन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (ग्रीष्म
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुसूची

मद्रास 31, हारिटेन रोड डोट सं० 15 (प्रार० एस० सं०
324 लाट सं० डी०) में 2 ग्राउन्ड और 380 स्क्युपर फीट की
खाली जमीन।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख : 30-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1-11-75

निर्देश सं० राज० सहा० आयु० अर्जन /279 —यतः मुझे,
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 30 ए बल्लभनगर है तथा जो गुमानपुरा, कोटा
में स्थित है, (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-3-75 एवं
21-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे इह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपनारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती यमुना देवी विष्वासा स्वर्गीय श्री आह्मादत जी
शास्त्री निवासी नजबगढ़ देहली (अन्तरक)

(2) श्रीमती बालीदेवी विष्वासा स्व० श्री बालचन्द्र सरावणी
निवासी सुजानगढ़ जिला चुरु 2. मैसर्स माडन औटो
ट्रैडर्स एरोडम रोड, कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वास्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- मकान नं० 30 ए, बल्लभनगर एक्सटेंशन, गुमानपुरा, कोटा पर निर्मित मकान का पिछला हिस्सा (गाउन्ड फ्लॉर).
- मकान नं० 30 ए, बल्लभनगर, गुमानपुरा, कोटा की प्रथम मंजिल।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 1-11-75

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० आई० ए० सी०/एन्य०/11/2042(903)/
75-76/—यहतः मुझे, एस० एल० एन० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 53 है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः शब्द उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बीर सिंह, सुपुत्र श्री राधा किशन, निवासी 53, राजा
गार्डन, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरविन्द्र कीर, पत्नी एस० मंजीत सिंह, निवासी
47, हानुमान रोड़, नई दिल्ली (मैनेजिंग डायरेक्टर के द्वारा)
मै० कारमान्न आटो (प्रा०) लि०, 2730, कश्मीरी गेट, दिल्ली
-6।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला भकान का 1/2 भाग जोकि फीदोल्ड प्लाट की
भूमि पर बना हुआ है जिसका क्षेत्रफल 213.22 वर्ग गज है और
प्लाट नं० 55 है तथा जो निवासी कालोनी राजा गार्डन, नज़कतगढ़
रोड़ पर, गांव बसाए दारापुर, दिल्ली को राज्य, दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 54

पश्चिम : जायदाद नं० 52

उत्तर : सङ्क

दक्षिण : प्लाट नं० 15.16 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 17 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस० ———

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/11/2075(901)/75-
76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है, जो इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड,
दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथात्त्वका सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य धार्सियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सीता विरभाणी, पत्नी श्री परमानन्द, स्वयं के
लिए तथा नाबालिग सुपुत्री कुमारी ज्योति विरभाणी, सुपुत्री श्री
परमानन्द के लिए, निवासी 29, सरस्वती गाँड़न, नई दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्रीमती शशीबाला, पत्नी श्री अमर नाथ (2) श्री किशोरे
कुमार (3) श्री अशोक कुमार (4) श्री अनुप कुमार, सभी नाबा-
लिग सुपुत्र श्री अमर नाथ, हनके पिता प्राकृतिक तथा कानूनी
संरक्षक श्री अमर नाथ, सभी निवासी 19/2-बी, शक्ति नगर,
दिल्ली (अन्तरिती)

- 3. (1) मै० हेल्टन केबल्स
- (2) मै० गलोब ऐन्टेस
- (3) मै० नवभारत इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन
- (4) मै० हिन्दुस्तान टीन फैक्ट्री
- (5) मै० हिन्द डाइस सैलस कारपोरेशन
- (6) श्री रतन लाल
- (7) श्री कन्हैयालाल (सभी निवासी 24, इन्डस्ट्रियल
एरिया, नजफगढ़ रोड, दिल्ली (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजनन्दन के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनन्दन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि तथा मकान जिसका नं० 24, ब्लॉक नं०
'एक्स' है और क्षेत्रफल 0.99 एकड़ है तथा जोकि इन्डस्ट्रियल
एरिया, नजफगढ़ रोड, स्कीम, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : प्लाट नं० 25

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० 41।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—

धारा
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 प्रकटूर, 1975

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1972(900)/
75-76/-—यतः मुझे, एस० एन० एल० अप्रवाल
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 126 क 1/2 भाग है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नसिद्धि उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कहित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के धधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी

1. श्री पिंडारा सिंह, सुपुत्र

साउदागर सिंह, निवासी जे०-11/129, राजीरी गार्डन, नई
दिल्ली-1
(अन्तरक)

2. श्री मूल चन्द नायर, सुपुत्र श्री लहना सिंह, निवासी
जेड-4, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली-1
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तापीत में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किनी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि जिसका
नं० 126 वर्ग गज है तथा क्षेत्रफल 353. 1/2 वर्ग गज है तथा
जोकि निवासी कालीनी राजा गार्डन, शांव बसाए दारापुर के क्षेत्र,
दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: सड़क 30' बौड़ी

पश्चिम: अन्य जायदाद

उत्तर: जायदाद नं० ३३२ जेड-९३-ए

दक्षिण: प्लाट सं० 125 पर मकान

एस० एम० एल० अप्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17 प्रकटूर, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1972 (900)/
75-76/—यह; मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 126 का 1/2 भाग है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कार बेने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पिंगारा सिंह, सुपुत्र श्री साउदागर सिंह, निवासी जे-11/129, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी, पत्नी श्री मूल चन्द नयायर, निवासी जेह-4, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (प्रस्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या वस्तुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि जिसका नं० 126 है तथा क्षेत्रफल 353. 1/2 वर्ग गज है तथा जो कि निवासी कालोनी राजा गार्डन, गांधी बसाए बारापुर के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: सड़क 30' छोड़ी

पश्चिम: अन्य जायदादा

उत्तर: जायदाद नं० ३८८ जे I-93ए

दक्षिण: प्लाट नं० 125 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 17-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० आई० ० सी०/ क्य०/11/295 (897)/
75-76—यसः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एच-12 का 1/2 भाग है, जो नवीन शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाशवती, पत्नी श्री ओम प्रकाश शर्मा, निवासी एच-12, नवीन शाहदरा, दिल्ली-1 (प्रत्तरक)

2. श्रीमती कमला देवी, पत्नी श्री जगदीश चन्द, निवासी एच-12, नवीन शाहदरा, दिल्ली-1 (प्रत्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इथ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन श्री अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० एच-12 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 222 वर्ग गज है तथा जिसमें तीन कमरे, एक रसोई, लेट्रीन तथा आश बना हुआ है और जोकि निवासी कालोनी नवीन शाहदरा में, जिसका खसरा नं० 75 तथा 91 है, उलधानपुर गांव के क्षेत्र, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1969(896
75-76)—यह: मुझे, एस० एन० एस० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
व्यापारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 31 है, जो अशोका पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-26
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-4-1975
को पूर्णवत् सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की व्यापारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की व्यापारा 269-व की उपव्यापारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4—326GI/75

1. श्री सुख लाल, सुपुत्र श्री किशन लाल, निवासी 31 अशोका पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-26 (अन्तरक)

2. श्री श्याम लाल जैन, सुपुत्र श्री सहरी मल जैन, निवासी 31, अशोका पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-26 (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्णवत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जैसे भी अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णवत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषितकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 214.8 वर्ग गज है तथा नं० 31 है और अशोक पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में 26 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 32

पश्चिम : प्लाट नं० 30

उत्तर : सड़क

दक्षिण: प्लाट नं० 34

एस० एन० एस० अग्रवाल

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:—17-10-75

मोहर :—

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/1874/(895)/
75-76/—यथा: मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और और जिसकी सं० प्लाट नं० 41, मन्यु० नं० 8502 है, जो अरा क्षण रोड़, राम नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शाम दास चावला, सुपुत्र श्री भगत राधे कृष्ण चावला, (हिस्सेदार) मैं। राधे कृष्ण जगमाथ चावला, टीम्बर मरचेट्स, देश बन्धु गुप्ता रोड़, पहाड़ गंज, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, सुपुत्र श्री बालू राम (2) श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल (3) श्री रामेश कुमार अग्रवाल, सुपुत्र, श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, निवासी आर०बी० बिल्डिंग, सेवक रोड़ सीलीगुरी (ईस्ट बंगाल) (4) श्री राधे स्थाम अग्रवाल, सुपुत्र श्री ईश्वर चन्द्र अग्रवाल, निवासी कृष्ण नगर, हिसार, (हरयाना) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिर जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट की भूमि का नं० 41 तथा मुन्सीपल नं० 8502 है और जोकि लोज होल्ड अधिकारों के साथ है, जिसका क्षेत्रफल 263.33 वर्ग गज है तथा जोकि अरा क्षण रोड़, राम नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 40

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, नई दिल्ली-1

4/14 ए, आसाफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/185 (894)/
75-76—यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० 17/100 भाग प्लाट नं० 8 का है, जो इन्डस्ट्रियल
एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्व रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-3-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अथवा:—

1. श्री श्रीम प्रकाश अनेजा, सुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र अनेजा,
निवासी ई-85, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णा देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री नन्द लाल अनेजा,
निवासी ई-91, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोहस्तानी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या पाया
है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 8 का 17/100 भाग जिसका क्षेत्रफल 2044.44
वर्ग गज है तथा जोकि इन्डस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड पर,
बसाए दारापुर गांव में, नई दिल्ली में जिसमें एक टिन शैड
आफिस बसाक बना है और बाउन्डी बाल बनी है तथा जिसकी
सीमाएं निम्न प्रकार से हैं:—

पूर्व : प्लाट नं० 7
पश्चिम : प्लाट नं० 9
उत्तर : ढी० सी० एम० भूमि
दक्षिण : नजफगढ़ रोड

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 अक्टूबर 1975

निरैश सं० आई० ए० सी०/एस्प०/11/1850(893)/
75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वं
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० 17/100 भाग प्लाट नं० 8 का है, जो इन्डस्ट्रीयल
एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 17-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की घावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
स्ननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं की उपष्ठारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमुख दास ग्रोवर, सुप्त्र श्री मोतन दास ग्रोवर,
निवासी बी-29, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती सरला देवी, पत्नी श्री लक्ष्मन दास प्रेमेजा,
निवासी ए-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापंचिमाणित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 8 का 17/100 भाग जिसका क्षेत्रफल 2044.
44 वर्ग गज है तथा जोकि इन्डस्ट्रीयल एरिया, नजफगढ़ रोड़
पर, बसाए, दारापुर गांव में, नई दिल्ली में जिसमें एक टिन शैड
आफिस ब्लाक बना है और बाउट्री बाल बनी है तथा जिसकी
सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व : प्लाट नं० 7।
पश्चिम : प्लाट नं० 9।
उत्तर : ढी० सी० एम० भूमि
दक्षिण : नजफगढ़ रोड़।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, 1/2 दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 अक्टूबर, 1975

निरेंश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/11/1807(898)/

75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7594-7596 है, जो पहाड़गंज, नई दिल्ली (राम नगर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेख राज, पुत्र श्री कालू मल, निवासी 7595-96 राम नगर, पहाड़गंज, दिल्ली	(अन्तरक)
2. श्रीमती सोमा उर्फ नमेली दुख्तार, पत्नी श्री कन्हैया लाल, 2 श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री पूरन मल, निवासी 7812, राम नगर गली नं० 3, पहाड़गंज, नई दिल्ली-1। (अन्तरिती)	
3. श्री सुलतान सिंह, (2) श्री हरदावारी (3) श्री ए० के० वैद्यानाथन, निवासी 7594-96, राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचना में सम्पत्ति है)	

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों थेर खुल्लों की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है तथा मुन्मुक्षिल नं० 7594-7596, वर्ड सं० 15, राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : प्लाट नं० 7

उत्तर : श्री श्रोम प्रकाश का मकान

दक्षिण : सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 18 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्रीमती लक्ष्मिंश्वराल, मदुरै (अन्तरक)

(2) श्रीमती मगमाई अम्माल रामनाड रोड, मदुरै (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 10/1/107/1974-75—यतः, मुझे, जी० रामानाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से अधिक है और जिसकी सं० 8ए०, तियाकराजा कालेज लेन, मदुरै है, जो——में स्थित है (और इससे उनवेद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै रामनाड रोड, तियाकराजा कालेज लेन, टी० एस सं० 229, डोर सं० 8ए० में 99×28 3/4' का भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० शाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, एरणाकुलम कोडीन-11

कोच्चिन-11, दिनांक 16, अक्टूबर 1975

निदेश सं० एस० सी० 48/75-76—प्रतः, मुझे, एम०
एम० कुरुप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या संख्याये 716/2 एट 1557/2 है, तथा
जो एरणाकुलम विलोज में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय एरणाकुलम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 7 जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकार:-

1. श्री बालगंगाधर मेनोन, किपक्से: तीट्रेकाट पारकुट्टी
श्रमा, सरकारी कर्मचारी, करित्तला, एरणाकुलम, के पुत्र।
(अन्तरक)

2. डा० एन० चन्द्रशेखर पिल्लै, श्री एम० एस० नारायण
पिल्लै, असिस्टेंट सर्जन, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, कोलम, के पुत्र।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय गुरु रूप करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में छिटबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम विलोज के करित्तला देश में सर्वेक्षण सं० 716/2
में 8. 25/6 सेन्ट्स भूमि और सर्वेक्षण सं० 1557/2 में 19/25
सेन्ट्स भूमि।

एम० एम० कुरुप
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख : 16 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 294/एक, रे-III/75-76 /कल०—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्तुत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी तं० 176/14/164 है, तथा जो रायपुर रोड, यादव पुर, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिला रजिस्ट्रार, आलिपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समरेंद्र चन्द्र वासनगुप्त 3 पेन कोर्ट, 5 बिं 0 पेन रोड, कल०-27

(अन्तरक)

2. श्री अणोक नाथ धोस वाई०-25, गरियाहाट रोड, कलकत्ता-16। (अन्तरिती)

3. पश्चिम बंग सरकार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 10 कठा 10 छटाक 24 स्को० फुट लीज-होल्ड जमीन साथ उस पर बनाया दो-तला भकान जो पौर सं० 176/14/164 रायपुर रोड, थाना यादवपुर, 24 परगना पर अब स्थित और जो जिला रजिस्ट्रार, आलिपुर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 1285/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54 रफीशहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16.

तारीख : 24 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/177/75-76/2617—
यतः मुझे बी० आर० सागर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो 509 ग्रीन ऐवेन्यु अमृतसर
(में स्थित है (ग्रीन इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
फैरेन अधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन तारीख
मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—326GI/75

1. श्रीमती गुरशरन कौर पत्नी श्री मोहिन्द्र सिंह बासी
110 ग्रीन ऐवेन्यु अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह छाबड़ा सपुत्र श्री कल्याण सिंह छाबड़ा
31 माल रोड, अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद और धरती का टूकड़ा 509 ग्रीन ऐवेन्यु, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 24
महीना मार्च, में लिखा है।

(बी० आर० सागर),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 23 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदेश सं० १० एस० आर०/ए० पी०-/419/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि
स्थानकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो कोट्ठर रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्तालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिद्दन चन्द सपुत्र उमा चन्द स्वयं और मुख्तयार
श्रीमती किशन ठाकुर पत्नी उमा चन्द और श्री अतुल चन्द और ब्रिमल
चन्द सपुत्र ठाकुर उमा चन्द 37 कोट्ठर रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी पुत्री सं० मोहन सिंह गांव
बच्ची विड तह० अम्बाला और राजेन्द्र सिंह सपुत्र मोहर सिंह रानी
का बाग, अमृतसर, दल सिंह सपुत्र रत्न सिंह गांव मत्या तहसील
अम्बाला (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है तथा श्री
मनोज कुमार सपुत्र श्री निकाका सिंह मार्फत अमृतसर डेरी, कोट्ठर
रोड, अमृतसर (पार्टी) सम्मिलता

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 214, 211 और 212
अप्रैल, 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा
है।

वी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1416/74-75—
यतः, मुझे वी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कर्ट रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिद्दन चन्द सपुत्र उमा चन्द खुद तथा मुख्तारे-आम श्रीमती किशना ठाकुर पत्नी उमा चन्द तथा सर्वश्री अनुल चन्द तथा बिमल चन्द सपुत्रान ठाकुर उमा चन्द, 37 कोटे रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. कुमारी सुरिन्द्र कौर सपुत्री श्री मोहन सिंह गांव बच्ची विडा तसील अजनाला तथा राजिन्द्र सिंह सपुत्र श्री मेहर सिंह रानी बाग अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है तथा श्री मनोज कुमार सपुत्र निकाल सिंह मार्फत मैरेंज अमृतसर डेयरी, कोटे रोड, अमृतसर (पार्टी सम्मिलित)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 214, अप्रैल, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सागर
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975.

मोहर :

प्र० र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निम्न सं० 1358—प्रत॒, मुश्के, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10055 फरवरी, 1975 में है तथा जो बूटा पिंड में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यहक्तियों अधोंतः—

1. श्री दर्शन सिंह, तारा सिंह समुत्र हजारासिंह निवासी बूटा पिंड, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री मजर बलदेव सिंह आफ बूटा पिंड जालन्धर (प्रत्यक्षिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो सम्पत्ति में हचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति ने हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10055 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1359—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10172, फरवरी, 1975
में है तथा जो पक्का बाग जालन्धर में स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. श्री गुरवचन सिंह सपुत्र श्री लाल सिंह अटोरनी और
लाल सिंह सपुत्र के सर सिंह ए०-५५ पंचशील इनक्लेव नयी
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र दराये बक्श ई० जी० 128 पक्का
बाग जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10172 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है। तथा
रजिस्ट्री विलेख नं० 10075, फरवरी 1975 की रजिस्ट्री
अधिकारी जालन्धर।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1360—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10149 फरवरी 1975 में है तथा जो मर्डी कल्टनगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर्प पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिद्धि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री काली चरण सुन्न वसाअराम जमुना देवी पत्नी भामाजी दत्त जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री रत्न चन्द रोशन लाल जैन सुपुत्र सोहन लाल मंडी फैटनगंज जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति से रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए कार्यशाहिंग करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूकान जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10149 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० आ० ए० सी०/एक्य०/11/204 (902)/75-76

यतः मुझे, एस० एन० एस० श्रीप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 53 है, जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-5-1975

वर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीर सिंह, सुपुत्र श्री राजा किशन, निवासी 53, राजा गार्डन, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती हरविन्द्र कौर, पत्नी एस० मंजीत सिंह, निवासी 47, हाम्मान रोड़, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाले किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर बन हुआ है जिसका क्षेत्रफल 213.22 वर्ग गज है और प्लाट सं० 53 है तथा जो निवासी कालोनी राजा गार्डन, नजफगढ़ रोड़ पर, गांव बसाए दारापुर, दिल्ली को राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० 54

पश्चिम : जायदाद नं० 52

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० 15-16 पर मकान

एस० एन० एल० श्रीप्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोड़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 17 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली - 1
4/14 ए' आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 1-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० - 111/
मार्च 1/654 (54) 75-76:— यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांग अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे
प्रतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
प्रतीक निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्री हरीचन्द बालू, तथा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय श्री-
हत्तराम, निवासी जोनापुर, गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मैसर्स भगत कनसट्क्षन कं० (प्रा०) लि० सी- 136
लिंगेन्स कालौनी, नई दिल्ली - 1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिगा 2 विसवा (करीब
7197 वर्गमीटर) है और मुस्तातिल नं० 15, किला का भाग जिसका
नं० 19 तथा 20 है तथा जोकि जोनापुर, गांव, तहसील महरौली
नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज - 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्र० रुपा आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 25 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1361—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10430 मार्च, 1975
है तथा जो साबोवाल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब था किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

6—326GI/75

1. श्री धर्म सिंह सुपुत्र कादम सिंह गांव साबोवाल तहसील
जालन्धर (अन्तरक)
2. मैसर्स वसन्त विहार कोओपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी सबोवाल जालन्धर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी इन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क ने परिभ्राष्टित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10430, मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1316—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10822 मार्च 1975 में है तथा जो सेबोवोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री कावम सिंह गांव सबोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स वसन्त विहार कापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी सबोवाल, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भें किए जा सकें।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10822 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर]

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1317—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 10041 फरवरी 1975 में है तथा जो सबोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री कादम सिंह गांव सबोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स बसन्त विहर कापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 10041 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रख्य आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1318—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 10048
फरवरी 1975 में है तथा जो सबोवाल में स्थित है (और इससे
उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रतः यब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः:—

1. श्री धर्म सुपुत्र श्री ऊधम सिंह गांव सबोवाल तह-
सील जालन्धर (अन्तरक)

2. बसन्त विहार कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी
जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति बें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 10048
फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर

जालन्धर तारीख 22 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० ए०पी०-१३४९—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उल्तिबाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10428 मार्च 1975 में है तथा जो सबोवाल में स्थित है (और इससे उपापबद्ध अनुसूची में और रू०८०८० रू० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री कादम सिंह गांव सबोवाल तहसील
जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स बसन्त विहार कापरेटिव हाउस विलिंग सो-
साइटी सबोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10428 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1320—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10095
फरवरी 1975 में है तथा जो बल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त स्थान लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए। आय/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदेव सिंह व सरदारा सिंह सुपुत्र शिव सिंह
गांव बल तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री गुरजीत सिंह सुपुत्र चतुलर सिंह आफ बल तहसील
जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वतंत्र रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10095 फर-
वरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्र० श्री अर्थात् श्री गुरवन्धन
सिंह सुपुत्र श्री सिंह और गुरवन्धन
सिंह सुपुत्र हीरा सिंह आफ बल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 22 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० ए०पी०-1321—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10121 फरवरी 1975 में है तथा जो बल (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कालाय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-

सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्दातः :—

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री सिंह और गुरवन्धन सिंह सुपुत्र हीरा सिंह आफ बल

(अन्तरक)

2. गुरजीत सिंह सुपुत्र चतर सिंह आफ बल तहसील जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10121 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 22 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 1322—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में है
तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घम-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गरदारासिंह और सरदारा सिंह सुपुत्र श्री सिंह
निवासी बल तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्रीमती बलविन्दर कीर पत्नी गुरजीत सिंह सुपुत्र
हरभजन सिंह सुपुत्र चतर सिंह गांव बल तहसील जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है (वह व्यक्ति, जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10096
फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट भाई टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर तारीख 22 अक्टूबर 1975

मिदेश सं० ए०पी०-१३२३—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 9726 फरवरी 1975 में है तथा जो करनारपुर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छूट या अन्य वासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, अर्थात् :—

7—326GI/75

1. श्री बन्ना सिंह सुपुत्र नरेन सिंह गाव नागरा जिला जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जगत् सिंह गाव नागरा तहसील जालन्धर (प्रत्यक्षी)
3. जैसा कि मं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो अक्षित सम्पत्ति में इच्छा रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनंद है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अक्षितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9726 फरवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

ब्रह्म आई० टी० एन० एस०————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269- व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश नं० 1324—यतः मृगे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा

269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9725 फरवरी 1975 है तथा जो कारतारपुर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर ह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) बन्ता सिंह सपुत्र नरायण सिंह नागरा जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री किंगर सिंह सपुत्र जगत सिंह नागरा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9725 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22-10-1975

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1325—यस मुझे रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थायर सम्पत्ति,

जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9721 फरवरी, 1975 में है तथा जो कारतार पुर वुलाथ में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए को अपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी पर्याप्ति:—

(1) श्री बन्ता सिंह सुन्दर नारायण सिंह सुन्दर सोभा
सिंह नागरा जिला जालन्धर (अन्तरक)

(2) सुचना सिंह सुन्दर जगत सिंह नागरा (अन्तरिक्त)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में हची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9721 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1326—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी रु० जैसा कि अधिकृत विसेख नं० 9722
फरवरी, 1975 है तथा जो करतारपुर बुलाय में स्थित है
(और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्युत्ति से प्रधिक है
और घट्टरक (घट्टरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे घट्टरण के लिए तथा पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त घट्टरण लिखित में आसत्रिक रूप से कथित
माही किया गया है :—

(क) घट्टरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
का आयनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गम्य या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षति :—

(1) श्री कमल सिंह समूत्र नरायण सिंह गांव नागर
जिला जालन्धर (जम्मूकश्मी)

(2) फकीर सिंह समूत्र जागत सिंह नागरा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में हच्छी रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
आनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचयित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मूल्य जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9722 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में सिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (नियोक्ता)
अर्जन रेज जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1327—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9646
फरवरी, 1975 में है तथा जो करतारपुर में स्थित है
(और इससे उपावद अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कर्मित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

परा: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के पनुस्तरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री धौलत राम सुन्न भहराब, करतारपुर (अन्तरक)

(2) श्री रख विन्दजीत सिंह, बलजिन्द्रजीत सिंह,
तजिन्द्रजीत सिंह, जगजीत सिंह गांव सबोवाल। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुक्षी रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

श्रुत्युक्ति

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9646 फरवरी,
1975 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1328—यतः मुझे रविन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9723
में है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उत्तरांश
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) श्री बन्ता सिंह सुन्दर नरायण सिंह गंव नागरा
जिला। जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री कामीर सिंह सुन्दर जागत सिंह नागरा।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9723 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1329—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9724
फरवरी, 1975 में है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और
इससे उत्तराधि अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षतः: —

(1) श्री बन्ता सिंह संपुत्र नरायण सिंह गांव नागरा
जिला जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री असपाल सिंह संपुत्र आगत सिंह नागरा।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप: —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9724 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा हो।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1330—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9777 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी और पूरी रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मनसा राम सपुत्र सीता राम, राम सरष पुत्र महाराज कृष्ण आफ करतारपुर तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री जीत सिंह, मलकियत सिंह, मलकान सिंह सपुत्र सोहन सिंह निवासी थीमा करतारपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9777 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रकल्प नं० ८१० टी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

महाराज सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्वेश सं० 1331—पतः भुजे रवीन्द्र, कुमार

ग्रामकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9779 फरवरी, 1975 में है तथा जो चीमा ने स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसी दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय की किसी बन या घाय प्राप्तियों को, जिसे आद्यायी ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'आकड़ा अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती

कारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त 'आकड़ा अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—326GT/75

(1) श्री मनमा राम सपुत्र सीता राम सरूप सपुत्र महाराज कृष्ण करतारपुर तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

(2) चन्द्र सिंह सपुत्र इन्द्र सिंह प्रगत सिंह, सुरिन्द्रपाल सिंह सपुत्रक चन्द्र सिंह करतारपुर तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसंबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होया जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9779 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22-10-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1332—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सभी ग्राम्यकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9778 फरवरी,
1975 में है तथा जो चीमा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्याप्रवैत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनसा राम सुपुत्र सीता राम, राम सरूप
सुपुत्र महाराज कृष्ण वासी करतारपुर तहसील जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र सिंह सुपुत्र इन्द्र सिंह, प्रगट सिंह सुरिन्द्र-
पाल सिंह सुपुत्र चन्द्र सिंह गांव चीमा, तहसील जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'का' जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9778 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सभी ग्राम्यकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1333—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी उपावद्ध सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9568 फरवरी, 1975 में है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्यंग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या, किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोहन सिंह सपुत्र इन्द्र सिंह वासी टाहली साहिब करतारपुर। (अन्तरक)

(2) श्री सतविन्द्र सिंह सपुत्र नरानजन सिंह टाहली साहिब करतारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9568 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार;
सक्षम अधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्र० वाई० टी० एम० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1334—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9794, फरवरी
1975 में है तथा जो चक जिला में स्थित है (और इससे
उपायद्रव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह सपुत्र प्रजीत सिंह वासी गोहानी
तहसील फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी हरभजन सिंह सपुत्र
नारायण सिंह वासी चक जिल्दन। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

जल्दी सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अप्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखे जा सकेंगे।

उपलेख :—इसमें प्रयुक्त सब्दों को और पर्याप्त का जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अप्य होगा, जो उक्त अध्याय में लिखा गया है।

मनुष्यों

भूमि जैसा, कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9794 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदश सं० 1335—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी पं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9638
फरवरी, 1975 में है तथा जो चक जिन्दा में स्थित है (और इससे
उपाद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्ध्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व
के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा
269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम सिंह सपुत्र इन्द्र सिंह गांव मकरुदपुर
तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिंद्र कोर पत्नी हरभजन सिंह सपुत्र
नारायण सिंह गांव चक जिन्दा तहसील जालन्धर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में हच्छी रखता हो—
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्राप्ति
कायंवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से,
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में पर्याप्त
परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9638 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1336—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10099 फरवरी, 1975 में है तथा जो वस्ती बादा खेल में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की आबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यद्य 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरकरण सिंह सुपुत्र मेहर सिंह डी०-६७ विस्ट पटेल नगर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह सुपुत्र सुरिंद्र सिंह डम्भू० ई० ३६४ अली मोहाला जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10099 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1337—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9639
जनवरी, 1975 में है तथा जो चूहरवाली में स्थित है
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अवतार सिंह सुप्रब श्री रला सिंह गांव
चूहरवाली तहसील जालन्धर (प्रन्तरक)

(2) श्री निरंजन सिंह सुप्रब मेहर सिंह ढाडा गांव
चूहरवाली तहसील जालन्धर (प्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में हृति रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9639 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1338—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी
को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9975
फरवरी, 1975 में है तथा जो अमन नगर ढाड़ा रोड
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत व 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या कमाते बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

(1) श्री राम कुमार भारद्वाज सुपुत्र श्री सत पाल
जी० ए० श्रो० केवल देव सुपुत्र किसन सिंह दास चौक प्रहु
हुश्यारपुर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सुपुत्र श्री कश्मीरी
लाल अग्रवाल 242/2, अशोक वितान दिल्ली-7
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचारित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ज्ञाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9975 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22-10-1975

मोहर:

प्र० श्री ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर; दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निर्देश नं० 1339—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9976
फरवरी, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—326GT/7

- (1) श्री राम कुमार भारद्वाज सपुत्र सतपाल बारदाज
जी० फै० दू० केवल देव सपुत्र विश्वन दास चौक अहु
होणियारपुर जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र अग्ररामाल दिल्ली। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में स्वीकृत होता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9976 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22-10-1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1340—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9890
करकरी 1975 में है तथा जो दिलकुशा मार्कीट जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौत पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की भावत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:—

1. श्री करम सिंह सुपुत्र श्री बसन्त सिंह 389
लाजपत राय नगर, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह पोस्ट अफिस लिटरान तहसील
नकोदर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9898 फरवरी,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर 1975
मोहर :

प्रलूप प्राई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 22 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 1341—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9891 फरवरी 1975 में है तथा जो दिलकुश मार्कोट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगीर सिंह सुपुत्र प्रताप सिंह घासी गढ़ तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह गांव लिटरा तहसील नकोदर (अन्तरिक्षीय)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विवेदन:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9891 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्र० श्री अर्जन रेंज, जालन्धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 22 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 1342—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9892 फरवरी 1975 में है तथा दिलकुशा मार्कीट जालन्धर में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधैं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ज्ञानी शंकर सिंह सुपुत्र वाल सिंह मोडने कालोनी जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती परमिन्द्र कौर पत्नी अमरीक सिंह गांव लिंगारा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9892 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1343—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं 9893
फरवरी 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथाति:-

1. श्री स्वर्ण सिंह सुपुत्र लखा सिंह सिवल लाइन जालन्धर
(अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह गांव लितरा तहसील नकोदर
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में हचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिनके बायु में अधोहस्ताक्षरों
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

पृष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9893 फरवरी
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर:

प्रूप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 1344—यतः मुझे, रवीद्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10191
मार्च 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, तारीख
फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उल्य से कम के दृश्यमान चित बाजारमें
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भौत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नौनिहाल सिंह सुपुत्र गुरपाल सिंह गांव गोरया
जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती परमिन्द्र कौर पत्नी अमरीक सिंह गांव
लितरा तहसील नकोदर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति इस सम्पत्ति में इच्छा रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10191 मार्च
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीद्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एम०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1345—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10161 फरवरी 1975 में है तथा जो न्यू जवाहर नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधद्वा अनुसूची, में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरेश कुमार सुपुत्र गणाधान गौड़न दाउन द्वारा माया लाल जी० फ० (अन्तरक)
2. श्री जोगेन्द्र मिह सुपुत्र जसवन्त सिंह 386 न्यू जवाहर नगर जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में स्वच रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10161 फरवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप गाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1346—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि-
नियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 19810
फरवरी 1975 में है तथा जो अलावलपुर में स्थित है (और
इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, फरवरी
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पक्ष्म्भूत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

1. श्री अवतार सिंह सुपुत्र लश्मन सिंह जी० के घृ०
मेहर सिंह सुपुत्र राय सिंह दुलीबाल (अन्तरक)
2. श्रीमती तरसेम कौर पली प्रीतम सिंह अलावलपुर
रखा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में शनि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उसअध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 19810 फरवरी
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में त्रिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1347—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3527
मार्च 1975 में है तथा ढागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-
कारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए:

अतः एवं उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—326GI/75

1. श्री महा चन्द्र सुपुत्र श्री लहना निवासी उग्रहाम
तहसील गढ़शंकर (अन्तरक)
2. श्री राम चन्द्र सुपुत्र दुल्ला निवासी उग्रहाम तहसील
गढ़शंकर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिकारों में
सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचिं रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3527 मार्च
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1348—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 401, मई 1975 में है तथा जो डगहाम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़ शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अलंरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महां चन्द्र सुपुत्र लहना, निवासी डगहाम तहसील गढ़ शंकर। (अन्तरक)
2. श्रीमती राम प्यारी पत्नी राम चन्द्र निवासी डगहाम तहसील गढ़ शंकर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हव्व रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृता

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 401 मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रावकर श्रावक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर:

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 1349—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 485 . मई, 1975 है तथा जो डगहाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्य सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़णकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ की उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री महाचन्द्र सुमुत्र लहना,
निवासी डगहाम, तहसील गढ़णकर।

(अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह सुपुत्र लैम्बा सिंह
निवासी डगहाम, तहसील गढ़णकर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृश्वरी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 485, मई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़णकर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्गत रेज, जालन्धर

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर:

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1350—यथा: मुझे रवीन्द्र कुमार

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10819 और 10820 है, तथा जो उक्त सम्पत्ति में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम्य की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी धन या भूम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्राम्यकर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमात्र:—

1. श्री हरदेव सिंह सुपुत्र ऊजागर सिंह वासी डाखन।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र वन्ता सिंह तलवन द्वारा जालन्धर कैन्ट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10819 और 10820 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।
तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1353—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9880, फरवरी, 1975 में है तथा जो गुरमन्डी में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशाखा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शानचन्द, दीवान चन्द, प्रकाश चन्द और कैलाश चन्द सुपुत्र टेक चन्द वासी मर्डी फैटनगंज, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्री ओमप्रकाश सुपुत्र राम प्रकाश द्वारा ओमप्रकाश एण्ड संस, करयाना डीलर, गुरमन्डी। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में सुन्न रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9880 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।
तारीख: 22 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निम्नेश सं० 1351—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10819 तथा
10820 में है तथा जो ड्डखत में स्थित है (आंग इससे उपावश्य
ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन फरवरी, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की भावत ‘उक्त
अधिनियम’, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरदेव सिंह सुपुत्र जलधर सिंह
वासी डाक्टर। (अन्तरक)
2. जोगिन्दर सिंह सुपुत्र बन्धा सिंह
वासी तलवर का जालन्धर कैट। (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्ट लेखणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतलूकी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10819 और 10820
मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० रुपा आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० 1352—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9575, फरवरी, 1975 में है तथा जो जगत्पुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में भौं पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथे पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भौतीय आविकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनालिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा-269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति:-

1. श्रमराम सुपुत्र रौलू राम वासी डोलका सुन्दर पुर जी० ए० टू बक्षिराम सुपुत्र प्रमाण वासी डोल के सुन्दरपुर, पोस्ट आफिस अलावल पुर। (अन्तरक)
2. नसीब कौर, सुपुत्री अमर सिंह अलावल पुर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—समें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9575, फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भ्रजन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1355—यतः मुझे रविन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4015 फरवरी,
1975 है तथा जो रेलवे रोड होशियारपुर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कर्तालिय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1975
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बरयाम सिंह सुपुत्र स्वर्णीय, अर्जन सिंह सुपुत्र स्व०
गुरभुख सिंह रेलवे रोड होशियारपुर। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमलेश जैन पत्नी सुभाष चन्द्र
सुपुत्र काश्मीरी लाल जैन होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 4015 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राईंटी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 1357—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 556, अप्रैल, 1975 में है तथा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11—326GT/75

1. श्री भवानी दत्त सहगल सुपुत्र श्री तृतीय राम सहगल 76-77, विजय नगर, जालन्धर। (अन्तरक)

2. प्रेम पाल सुपुत्र भवानी दत्त 77, विजय नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समाच्छित है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में हित रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोइन्स्टाफरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 556 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
श्रजन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० 1356:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10114, फरवरी, 1975 में है तथा जो प्लाट विजय नगर में है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री भवानी दत्त सहगल मुप्रत श्री तुलसी राम सहगल 76-77, विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेमगाल मुप्रत श्री भवानी दत्त 77, विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10114 फरवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, जालन्थर

जालन्थर, दिनांक 22 अक्टूबर, 1975

निकेश सं० 1354—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सधार्म प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4016 फरवरी,
1975 में है तथा जो अर्जन सिंह गली, होशियारपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरदियाल सिंह सुपुत्र अर्जन सिंह एडब्लॉकेट सुपुत्र
गुरमुखसिंह वासी रेलवे रोड, होशियारपुर
रीपल विडर वरयाम सिंह सुपुत्र अर्जन सिंह
वासी रेलवे रोड, होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पाला रानी पत्नी चमनलाल सुपुत्र कामीरी लाल
मोहनला पुरियान, होशियारपुर।
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 4016 फरवरी, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में है :

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्थर

तारीख : 22-10-75
मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० अर्जन इ० सं० 3/688/मार्च, 75—प्रतः मुझे
श्री आर० जी० नेऱुरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी प्लाट सं० 29 सिटी० एस० सं० 1008 जो
शीट सं० नं० का है। जो कांहीवली में स्थित है (ग्रीन इलायन से उपावड्ड
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहनदास लाल जी एण्ड अदरस
राजदा नगर, फैक्ट्री लेन बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-
क्रमांक 20। (ग्रन्तरक)
2. आर० बी० आर्य एम्प्लाइज
शान्ति को० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड द्वारा
रिजर्व बैंक आफ इंडिया,
इम्प्रिडिपार्टमेंट, फोर्ट बम्बई-१ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणीय के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 29, सी० टी० एस० नं० 1008 जो शीट० सं० 70
का है, और जो कांहीवली के डहाणुकर बाड़ी में है, और भाप से
920 वर्गगज यानी 790-01 वर्ग मीटर है और रजिस्ट्रेशन उप-
जिला बम्बई नगर और बम्बई उप-नगर में है।

आर० जी० नेऱुरकर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3, बम्बई

तारीख: 23-10-75

मोहर:

प्रूफ ग्राइंड टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, 4/14-ए, असफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-१११/(41)/
अप्रैल/७३७/७५-७६---पतः मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ई-५७७ है, जो ग्रेटर कैलाश-११, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसके उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्ज है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-४-७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया कारण के लिए अन्तरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', शा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवर्ण नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्द्र मोहन, सुपुत्र श्री रोठ राम,
मकान नं० ११, सैकटर ९-ए, चन्डीगढ़। (प्रन्तरक)
2. श्री मोहन कुन्दरा तथा विजय कुन्दरा,
निवासी एस-२३५, ग्रेटर कैलाश-११, नई दिल्ली।
(प्रन्तरिती)
3. मोहन कुन्दरा तथा विजय कुन्दरा,
निवासी एस-२३५, ग्रेटर कैलाश-११, नई दिल्ली।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितदाता विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-५७७, जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा
जोकि ग्रेटर कैलाईश-११, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व :	सड़क
पश्चिम :	सर्विल लेन
उत्तर :	प्लाट नं० ई-६७९
दक्षिण :	प्लाट नं० ई-५७५

तारीख: 21-10-1975

मोहर :

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, नई दिल्ली-१

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन: रेज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, असफलती रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/1/एस आर०-111/(16)/
अप्रैल-2/700/75-76—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० 255 है, तथा जो प्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलवन्त सिंह चतरथ, सुपुत्र श्री लाल सिंह चतरथ, 873, कुतब रोड, सदर बाजार, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती सुषमा पार्थी, पत्नी श्री दीवान चन्द्र पार्थी तथा श्री डी० सी० पार्थी, निवासी 4/71, डब्ल्यू० ई० ए०, करीलबाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
3. श्रीमती श्यामा पार्थी, तथा श्री डी० सी० पार्थी, निवासी 4/71, डब्ल्यू० ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-255 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालीनी प्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में वह सारे अधिकारों सहित, स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, 1/दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 21-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-4/14-ए, असफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-111/
मई-11, /805/(57)/75-76—अतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा० गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० एम-160 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उत्तरांचल अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
1957 अधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जानाचाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम 269-ग के अनुसारण में, मैं
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यू० पी० शर्मा, सुपुत्र पं० गारीजा, प्रसाद,
निवासी, 4140, गली, शास्त्रा, अजमेरी गेट, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री एस० अमरीक वालीया, सुपुत्र श्री मेला सिंह वालिया,
निवासी जलन्धर, एस० मेला सिंह वालिया के द्वारा
(जनरल एटारनी), सुपुत्र श्री नीहाल चन्द, द्वारा 44/1,
रीगल बिल्डिंग, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरिती)
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
3. श्री एस० अमरीक सिंह वालिया, सुपुत्र एस० मेला सिंह
वालिया, निवासी जलन्धर, एस० मेला सिंह वालिया के
द्वारा (जनरल एटारनी), सुपुत्र श्री नीहाल चन्द, द्वारा
44/1, रीगल बिल्डिंग, कनाट पैलेस, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-160, जिसका थोकफल 400 वर्ग गज है तथा
ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	सड़क
पश्चिम :	सर्विस लेन
उत्तर :	प्लाट नं० एम-158
दक्षिण :	प्लाट नं० एम-162

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-1

तारीख: 21-10-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 4/14-ए, असफ अली रोड, दिल्ली-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर०-111/
जून-1/(35)/831/75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 221(4-16), 222(4-16),
223(4-16), 224(2-10), 225(4-16), 226, 227
(4-16), 230(4-16), (4-16), 228(3-0), 224/2
(2-6), 228/2(1-16) है, जो शाहपुर गांव, तहसील महरौली,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
3-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है।

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम’ के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

1. छपेन्द्रा माजीथिया, पत्नी सरदार गुरनिहाल सिंह
माजीथिया, निवासी 112, मलका भार्ग, अनक्यापुरी,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री जै राम, सुपुत्र श्री फकीर जन्द कंवर,
निवासी 166, सामुद्रल स्ट्रीट, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितरणों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

टाईटल:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 बिगा, 4 बिसवा, खसरा नं०
221(4-16), 222(4-16), 223(4-16), 225(4-16),
222(4-16), 228/2(1-16), 228/1(3-0), 224(2-6)
227(4-16), 230(4-16), तथा जिसमें दृश्यवैलस, बाउच्चरी
बालस, नौकरों के मकान, पेड़, पानी का कनेक्शन इत्यादि है, और
जोकि शाहपुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख: 22-10-1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निर्वेश सं० आई० ए० सी० / एव्यू० / 11 / 1862 (910) / 75-76-

यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें दूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 8/2191, गली जानी खान, कूचा अकिल खान
बाजार, सीता राम, दिल्ली में स्थित है और (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 26-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-326GI/75

1. श्री लाभा राम कपूर, सुपुत्र श्री किशन चन्द कपूर,
निवासी 2191, गली जानी खान, कूचा अकिल
खान, बाजार सीता राम, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोम बती देवी, पत्नी श्री कान्ती प्रसाद,
निवासी 423, मटिया, महल, जामा मस्जिद, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का पूर्वी भाग जिसका नं० 8/2191 है तथा
जोकि गली जानी खान, कूचा अकिल खान, बाजार सीता राम,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० 2207 तथा 2208

पश्चिम : गली

उत्तर : मकान नं० 2192

दक्षिण : मकान नं० 2210

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० र० प्रा० ई० टी० ए० न० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 27 अक्टूबर 6975

निर्देश सं० प्रा० ई० ए० स० /एक्य०/11/1933(909)/75-
76—यसः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8/2191 गली, जानी खान, कूचा अकिल खान, बाजार सीता राम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्षण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— :

1. श्री लाभा राम, कपूर, सुपुत्र श्री किशन चन्द कपूर,
निवासी 2191, गली जानी खान, कूचा अकिल खान,
बाजार सीता राम, दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्रीमती ओम बती, पत्नी श्री कान्ती प्रसाद,
निवासी 423, मठिया, महल, जामा मस्जिद, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का पश्चिम भाग जिसका नं० 8/2191 तथा जोकि गली जानी खान, कूचा अकिल खान, बाजार सीता राम, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: मकान नं० 2191 का बाकि भाग
पश्चिम	: गली
उत्तर	: मकान नं० 2192
दक्षिण	: मकान नं० 2210

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 27 अक्टूबर 1975

मोहर:

प्र० आई०टी०एन०एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1
4/14 असफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निदश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/11/2021(911)/75-76—यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है और जिसकी सं० 5475 से 5478 तथा 5493-94 है, जो प्लाट नं० 10, जी० बी० रोड, दिल्ली में स्थित है (श्री और इससे उपावद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम किशोर, सुपुत्र एल० कंवल किशोर, निवासी 1063, गन्दी गली, फतेहपुरी, दिल्ली (अन्तरक)
2. (1) श्री सुरिन्दर कुमार राहीजा
(2) दर्शन कुमार राहीजा
(3) अशोक कुमार राहीजा
(4) कौलाश कुमार राहीजा

(5) (प्रभोद राहीजा, सुपुत्र श्री मोहन लाल राहीजा, निवासी, डॉल्प०-1, बैस्ट पटेल नगर, मैन रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :—

- (1) श्रीमती कृष्णा कुमारी, विधवा पत्नी श्री देस राज (निम्न मंजिल)
- (2) श्री कन्हैया लाल, सुपुत्र श्री राधे मोहन (निम्न मंजिल)
- (3) श्री तिलक राज, सुपुत्र श्री दीवान चन्द (निम्न मंजिल की बीछे बाली तुकान)
- (4) श्री राधा किशन तथा नारिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री हरी चन्द (निम्न मंजिल)
- (5) बेगम हाजरा, सुपुत्री अलाहराखा (पहली मंजिल)
- (6) अमवर (पहली मंजिल)
- (7) माजीदा (पहली मंजिल)
- (8) श्रीमती प्रामीला देवी, सुपुत्री अमवर (पहली मंजिल पर प्लॉट)
- (9) बेगम कुलसम, सुपुत्री अहमद बख्शाक (दुसरी मंजिल पर प्लॉट)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप्रयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अर्थ व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 207. 4 वर्ग गज है, और म्युटिसिपल नं० 5475 से तथा 5493-94, प्लाट नं० 70, जी० बी० रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: मुख्य जी० बी० रोड (जोकि शरदानन्द मार्ग से जानी जाती है)
उत्तर	: प्लाट नं० 71 पर बिल्डिंग
दक्षिण	: प्लाट नं० 69 पर बिल्डिंग।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 27 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269- व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-5, कलकत्ता
 54, रफ़ीअहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16
 कलकत्ता-16, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० सी०-२०/अ० रे०-५/कल/७५-७६—
 अतः मुझे, एस० एस० ईमानदार
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० मौजा-बालिङ्गा है तथा जो छोटोनीलपुर, बर्द-
 वान स्थित है (और इसमें उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, बर्दवान में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 14-3-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
 अस्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन य अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
 स्तरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा
 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थतः—

1. श्रीमती सुधारानी ब्रजप्री
 (अन्तरक) ।
 2. श्री शक्ति पद भट्टाचार्य
 (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उच्च
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सहित दो तल्ला इमारत जिसका क्षेत्रफल 10 कट्टा है,
 मौजा, बालिङ्गा, छोटोनीलपुर रोड, बर्दवान में स्थित है। ख०
 सं०-182-दाग सं०-260 और 261 दलील—2262, ता०
 14-3-75 ।

एस० एस० ईमानदार,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज 5, कलकत्ता
 54, रफ़ी अहमद किंदवाई रोड,
 कलकत्ता-16 ।

तारीख : 25-10-1975
 मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(च) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफीश्वाहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० सी० 21/अ०रे 5/कल०/75-76 :—अतः
मुझे, एस० एस० ईनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मौजा बालिङांगा है तथा जो छोटोनीलपुर, भर्द-
वान स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बर्दवान में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुधारानी बक्शी

(अन्तरक)

2. श्री मोहन छहणा भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सहित दो तल्ला इमारत मीजा-बालिङांगा, छोटोनीलपुर
रोड पर स्थित है। दलील नं० 2335 ता० 13-3-75।

एस० एस० ईमानदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता ।

54, रफीश्वाहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16।

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

निवेश सं० टि० आर०-342/सि०-328/कल-I/74-75 :—
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5 है तथा जो हावारली लेन कल० स्थित है (और
इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के आविष्यक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :—

1. डि० ग्रेट इंडिया ट्रेडिंग को० प्रा० लि०, (अन्तरक)

2. श्री सी० कुमार महता (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संघीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

5 हावारली लेन, कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा 11 छटांक जमिन पर थर।

एस० के० चक्रबर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16।

तारीख : 29-10-1975।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निवेश सं० ए० सी०-224/अ० R-IV/कल०/75-76 :—

ग्रतः मुझे, ए० के० बटबयाल,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो दीगलारोड में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 29-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आशालता बासु राय (अन्तरक)
2. मिन्ग्राफ (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)।
3. मेसर्स स्पाक्स इंजीनियरिंग प्रा० लि० (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

लगभग 15 कट्टा खालि जमीन, प्रेमिसेस सं० 7 दीगला रोड, थाना, दमदम, जिला-24 परगणा और जैसे के अन्तरन लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० के० बटबयाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV
कलकत्ता-16

तारीख : 25-10-1975।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

2. उक्त कामों को अपरेटिव हाउर्सिंग सोसाइटी लि०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

निवेश सं० टि० आर०-356/सि०-342/कल०-74-75—
भ्रम: मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

श्रीरजिसकी सं० 9/3 है तथा जो हांगार फार्ड स्ट्रीट कल० स्थित है (श्रीरजिससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-ट्रॉकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नर्मेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

20-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. श्री महाराजा प्रताप सिंह (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अक्षितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3, हांगार-फार्ड स्ट्रीट, कल० में अवस्थित एक बिधा एक कट्टा दस छटांक 23 वर्ग फिट समिन पर दो देतल्लाका मण्डिल।

एस० के० चक्रबर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
कलकत्ता-16

तारीख: 29-10-75

मोहर:

प्रृष्ठा प्राई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निदेश सं० ए० सि०-225-प्रार०-IV/कल०/75-76 :—
अतः मुझे, ए० के० बटबयाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 7 हैं तथा जो दोगला रोड में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 3-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः ग्रन्थ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, प्रर्थत् :—

13—326GI/75

1. श्रीमती ग्रामालता बासु राय (अन्तरक) ।
2. मिनूग्राम (ईन्डिया) प्रा० लि० (अन्तरिती) ।
3. मेसर्स स्पाक्स इंजीनियरिंग प्रा० लि० (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संग्रहग 4 कट्टा जमीन और उस पर मकान, जिसकी सं० 7,
दोगला रोड, थाना, दमदम, जिला 24 पर रखना है और जैसे के अन्तरण
लिखित में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० के० बटबयाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV

54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16 ।

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० 119/अगरतला/75-76/3527-36:—
अतः मुझे, एग बट्ट सिंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० जोत नं० 1716 खतियांग नं० 137117 पलोट
नं० 2034/32754 है तथा जो मौजा अगरतला सीट नं० 3
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अगरतला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
रण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्रीमती मायारानी धर श्री रथिन्द्र नाथ धर का पत्नी,
(अन्तरक)।

पि० एस० कोतवाली, जिला पश्चिमी नियुक्त

2. श्रीमती मालती बानिक श्री कालिपदा बानिका,
राम नगर रोड, नं० 4, अगरतला

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 4(चार) गन्दा 8 (आठ) धूर बंगाल टाईप
कि मकान सहित जो राम नगर रोड नं० 4 अगरतला सहर कि
भितर में स्थित है।

एग बट्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 24-10-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० ए० 120/सिब/75-76/3633-43 :—अतः,
मुझे, एगबर्ट सिंग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० निचे अनुसूची में लिखी हुई मुताबिक है तथा जो नाजिरा जिला आसाम सिवसागर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-16) के अधीन तारीख 26-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स बेंगाल टि. कम्पनी लिमिटेड 9, ब्रेवोरन रोड, कलकत्ता-1।
2. मेसर्स कनोई (ईडिया) प्राइवेट, लिमिटेड, 28 आर० एन० रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिक्षणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक टि० स्टेट के जमिन में चाय कि फल, चाय कि बिज, कल पुर्जे, कलकारखाने वडे मकान, मकाने, गोदाम गाड़ियां, इत्यादि जिसको माकेयपुर टि० स्टेट, "नाजिरा वाहलाते हैं। यह सिवसागर जिला आसाम में स्थित है।

एगबर्ट सिंह,
सदम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 28-10-1975
मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए०/मार्च 75/थाना/251/75-76—
यतः मुझे, एच० एस० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी संख्या सं० क्र० 163, 1 से 8, 166 सिस्सा नं० 1, 2, और 3 है तथा जो कवेसर, थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री श्रफसल ए सत्तार कांस्टीट्युटेड अटर्नी आफ श्री महमद हुसैन जे अलाना सत्तार, सी० व्हय०, चौपाटी, बंबई-७ (अन्तरक)।
2. श्रीमती खनीजामाई अम्बुल सत्तार और दूसरे, पार्टनर्स भारत कोल्ड स्टोअरेज, 170 मौलाना शोकतग्ली रोड, बंबई-८ (अन्तरिती)।
3. श्री भारत कोल्ड स्टोअरेज, 170 मौलाना शोकतग्ली रोड, बंबई-४००००८ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वेनं० 163-1 टू 8, 166 सिस्सा नं० 1, 2 और 3, एकड़ा क्षेत्रफल-8093, 74 वर्ग मीटर्स गांव-कवेसर, जिला थाना।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 174 मार्च 75 में सब-रजिस्ट्रार थाना के दफतर में लिखा है)।

एच० एस० औलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-10-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मार्च 75/थाना/250/75-76:—
यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी से० स० क्र० 163 से 1 से 8 और 166 हिस्सा नं० 4 से 7 (पार्ट) है तथा जो कवेसर, थाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

1. श्री अकबर ए० सत्तार-कान्स्टाइट्युटेड अटर्नी आफ अबदुल रज्जाक जुसब अल्लाना सत्तार सी० व्हल्य० चौपाटी, बंबई-400007। (अन्तरक)।
2. खलिजाबाई अबदुल सत्तार अंड अदर्स पार्टनर्स-भारत कोल्ड स्टोअरेज, 170 मौलाना शाकन अल्ली रोड, बंबई-8। (अन्तरिती)।
3. भारत कोल्ड स्टोअरेज 170, मौलाना योकतअल्ली रोड, बंबई-8। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे क्र० 163-1 से 8, 166 हिस्सा क्र० 4, 5, 6 पार्ट, 7 पार्ट (पार्ट)। एकड़ा क्षेत्रफल :—10218.35 वर्ग मीटर्स क्वेसर गांव, जिलाह — थाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 175 मार्च 75 में सब रजिस्ट्रार थाना के दफतर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-10-75।

मोहर :

प्र रूप श्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 148/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थाई सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मलगी नं० 2, युनिटी हाउस, है, जो आविद रोड,
में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-3-1975

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति वा
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता:—

- मेसर्स हिंदुस्तान बिल्डर्स, भागीडार द्वारा श्री हरी किशन,
युनिटी हाउस 5-9-253, आबीद रोड, हैदराबाद
(अन्तरक)।
- (1) श्रीमती बीमा एस० बलदेवपुत्री एस० ई० बलदेव
(2) कुमारी चन्द्रीका बलदेव पुत्री रतीलाल 124,
जीरा सिकन्दराबाद। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

तल मजला पर मलगी नं० 2, युनिटी हाउस, आबीद रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

सं० आर० ए० सी० 150/75-76 :—यतः मुझे, के०एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०मलगी नं० 14, युनिटी हाउस, है, जो आवीद रोड में स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उष-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स हिंदुस्तान बिल्डर्स, भागीदार द्वारा, श्री हरी किशन आवीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता मांधी वाजार सिकन्दराबाद (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संलग्न नं० 14, तल मजला, युनिटी हाउस, आवीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निवेश सं० आर०ए०सी०-149/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेकट रामन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 33, आबीद रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की भई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हिन्दुस्तान बिलडर्स, भागीदार द्वारा श्री हार-किशन, यूनिटी हाऊस, आबीद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती स्तेहलता पल्ली आनन्द कुमार 14-4-47, बेगम बाजार, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 33, तल मजला, यूनिटी हाऊस, आबीद रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेकट रामन,
 सक्षम प्रधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 27 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27-10-1975

निदेश सं० आर०ए०सी०-151/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओर 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 36 है, तथा जो युनिटी हाउस हैदराबाद में स्थित है (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की ओर 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की ओर 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
14—326GI/75

1. हिन्दुस्तान विलेंस पार्टनर हरिकिशन युनिटी हाउस आविद रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1)श्री जगमोहन (2) हनमन्त कुमार दोनों न० 21-2-104 धारकमान के पास हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—मलगी नं० 36 तल मंजला बाग युनिटी हाउस का आविद रोड के पास हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 27 अक्टूबर, 1975
मोहर

प्रलेप ग्राही० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निवेश सं० ए०एस०आर०/73-74/पी०-126/एस०-68/
739—यतः मुझे वी० आर० सागर

आपकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० एक बंगला है तथा जो अमृतसर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कोर पत्नी श्री काबुल सिंह,
श्रीमती राजकोर पत्नी श्री सुरजीत सिंह वासी भगत पुरा
तहसील अमृतसर, स० हरजीत सिंह सन्धु सुपुत्र श्री गुर-
दयाल सिंह सन्धु वासी छापा राम सिंह तहसील अमृतसर
(अन्तरक)

2. हरजीत सिंह सन्धु सुपुत्र श्री गुरदयाल सिंह वासी
छापा राम सिंह तहसील और जिला अमृतसर (अन्तरिती)

3. श्री ऊधम सिंह 3-हुकम सिंह रोड, अमृतसर, श्री
आर० के० कुमरा 3-हुकम सिंह रोड, अमृतसर, श्री शान्ती
सरूप भल्ला, 3-हुकम सिंह रोड, श्री चतुर भुज गुप्ता 3-
हुकम सिंह रोड, अमृतसर (व्यक्ति सम्मिलित) (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702 महीना
जनवरी 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
लिखा है ।

वी० आर० सागर

सक्षम अधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर ।

तारीख : 27-10-75

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी०टी०एन०एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

निवेश सं. डी०एल०एस०/1/74/75—यतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एकान्त बिल्डिंग सहित आऊट हाउसेज तथा बाग है तथा जो डलहौजी (हिमाचल प्रदेश) में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डलहौजी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्—

1. श्री गोरी शंकर लख लेम, डलहौजी (अन्तरक)
2. मिसेज परोमिला कुमार 262, सैक्टर-11ए०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'एकान्त' बिल्डिंग सहित आऊट हाउसेज तथा बाग जो कि डलहौजी में स्थित हैं।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4, मार्च 1975 में सब-रजिस्ट्रार डलहौजी के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 17-10-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निवेश सं० आर०टी०के०/१७५-७६—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ वहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० रिहाइशी मकान नं० 409-बी०-III बाँड नं० 13
(एम०सी०नं० 31 से 35) है तथा जो सिविल रोड (एक आधा भाग)
रोहतक है जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपायद्र
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’ या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमीर अन्द पुत्र श्री दुनी चन्द मारफत मि०
एस० बी० सिंहा, 61-ई० बीनस अपार्टमेंट्स, 16 बी०
मंजल, बोरली, बस्टै-18
(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी श्री कृष्ण लाल पुत्र
श्री बीर भान मकान नं० 662-बी०-१ ढेरी मोहल्ला नजदीक
माता दरवाजा, रोहतक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपस्थीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त
अधिनियम’ के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा भाग रिहाइशी मकान नं० 409-बी०-III जोकि
बाँड नं० 13 सिविल रोड (एस० सी० नं० 31 से 35)
रोहतक में स्थित है।

पूर्व:— गली
पश्चिम:— गली
उत्तर:— गली
दक्षिण:— सिविल रोड
अगला भाग दक्षिण की ओर है।

विवेक प्रकाश मिनोचा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख: 22-10-1975

मोहर:

प्र० र० प्र० ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 27 अक्टूबर, 1975

निदेश सं० एम०एल०के०/१/७५-७६—अतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 81 कनाल 16 मरला और
उस पर बनी हुई इमारतें जो मलरकोटला में स्थित हैं
और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलरकोटला में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद इफितखार अली खान मलरकोटला
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती साजिदा वेगम पत्नी श्री मोहम्मद
इफितखार अली खान (2) श्रीमती रक्षा रानी पत्नी श्री
नौवत राय जैन निवासी मलरकोटला (अन्तरिती)

3. (i) दी सब-लिवीजनल मैजिस्ट्रेट मलरकोटला
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(ii) मैनेजर गवर्नरमेंट पोलटरी फार्म डिपार्टमेंट आफ
एनीमल हस्बैंडरी मलरकोटला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 81 कनाल 16 मरला और उस पर
बनी हुई इमारतें जोकि थण्डी सड़क मलरकोटला पर स्थित
हैं।

खेट नं० 256, खतौनी नं० 325, 380, 381, 382,
खस्ता नं० 2612/31-4 2612 2612 2649 2649

—, —, —, —
60, 80 80 28-12

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 246/J. No. 1(628)/EG/74-75.—

यतः मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०

Door No. 11-1-4 to 8 Main Road, R. C. Puram
में
है जो

स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Ramachandrapuram
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित डृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की व्याग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. Pasumarthi Ranganaikulu
2. P. Viswanathan.
3. P. V. Veerraju.
4. P. V. Bhimasankaram.
5. P. V. Bima Sankara Rao.
6. Ranganaikulu,
7. P. V. Ranganaikulu,
8. P. Satyanarayana Murthy, Draksharama,
4, 5, & 6 being minors by guardian father Sri P. Viswanatham.
S. No. 2, 7 being minor by guardian father Sri P. Veerraju, (S. No. 3)

(अन्तरक)

- (2) Smt. Chitturi Saroja, W/o Prakasaraao, Ramachandrapuram.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule properly as per document No. 542/75 of the SRO, Ramachandrapuram.

B. V. SUBBARAO,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-10-1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० पृन० पृस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा
काकीनाडा, दिनांक 23 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 248/J. No. 623/EG.—

यतः मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
46-22-11, Danavaiapeta, Rajahmundry,

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय Rajahmundry में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आमितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या "उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथतः:—

(1) Smt. Bulusu Veerabhadramma,
W/o Late B. Papayya Sastry,
Rajahmundry.

(2) Dr. Syamala Subbarao,
Rajahmundry.

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवित्य हारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्या-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1110/75 of
S.R.O. Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 23-10-1975

मोहर :

प्रूलप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 अक्टूबर 1975

Ref. No. Acq. File No. 245/J. No. I(624)/74-75.—
यतः, मुझे B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं।
134/2, Ramannapalem, है तथा जो

Pratipadu Taluk में स्थित है, (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
Pratipadu में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था तिथाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Smt. Maddali Venkata Ramanamma,
alias Alivelu Mangamma,
Krishmadevipeta.

(अन्तरक)

(2) Sri Kasireddy Ganaga Raju,
S/o Perraju, Gollaprelu.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2036 regis-
tered before Sub-Registrar, Kakinada on 31-3-1975.

B. V. SUBBARAO,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-10-1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अप्रैल, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1975

सं० एफ० ४/३/७५-ई० I (बी०) —भारत के राजपत्र दिनांक 15 नवम्बर, 1975 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 19 दिनांक 22 अक्टूबर 1975 के अनुसार निम्नलिखित परीक्षाओं में प्रवेश हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, विस्पुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला और द्रियेन्ड्रम में 27 अप्रैल, 1976 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

- (i) इंडियन मिलिट्री एकेडेमी—जनवरी, 1977 से प्रारम्भ होने वाले 62वें सत्र के लिए
- (ii) इंडियन नेवी—कोचिन में विशेष एंट्री केडेटों के रूप में नौ सेना एकेडेमी में प्रशिक्षण हेतु जनवरी, 1977 से प्रारम्भ होने वाले सत्र के लिए
- (iii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास में मई, 1977 से प्रारम्भ होने वाले 25वें सत्र के लिए

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश विए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपांध II, पैरा 10)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

(i) इंडियन मिलिट्री एकेडेमी	88
(ii) नौ सेना एकेडेमी, कोचिन	45
(iii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास	200

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. (i) इंडियन मिलिट्री एकेडेमी और इंडियन नेवल एकेडेमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जनवरी, 1955 से पूर्व का नहीं होना चाहिए तथा 1 जनवरी, 1958 के बाद का नहीं होना चाहिए।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जनवरी, 1954 से पूर्व का नहीं होना चाहिए और 1 जनवरी, 1958 के बाद का नहीं होना चाहिए।

इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध विवरण दो रूपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक

सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में बायपस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निश्चल प्राप्त किए जा सकते हैं :—

- (i) मुख्यालय बंगल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैट/उत्तर प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/तमिलनाडु, मैसूर तथा केरल एरिया, सैट टामस माउंट, और 101 कमान जैड (Z) एरिया।
- (ii) मुख्यालय, बम्बई सब-एरिया, बम्बई/लखनऊ सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पूना सब-एरिया, पूना/कलकत्ता सब-एरिया, कलकत्ता/मध्य प्रदेश सब-एरिया, भोपाल/जलंधर सब-एरिया, जलंधर/वैसूर सब-एरिया, बंगलौर/श्रांध्र (स्वतंत्र) सब-एरिया, सिकंदराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/उत्तरी बंगल सब-एरिया, 21, 31, 41 और 51 कमान सब-एरिया केर आफ 99 ए० पी० ओ० और 61 स्वतंत्र कमान जैड (Z) केर आफ 56 ए० पी० ओ० सब-एरिया, इलाहाबाद।
- (iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगलुरी (प० ब०), पठानकोट, श्रीनगर (ज० और क०), धर्मनगर, गोहाटी और जयपुर (राज०)।
- (iv) समस्त भर्ती अधिकारी।
- (v) सभी नेशनल केडेट कोर पूनिटें।
- (vi) फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौ सेना कमान, बम्बई।
- (vii) फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौ सेना कमान, विशाखापत्नम।
- (viii) फ्लैग आफिसर कमांडिंग, दक्षिणी नौ सेना क्षेत्र, कोचिन।
- (ix) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।
- (x) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, मद्रास।
- (xi) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।
- (xii) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, अल्मान एवं निकोबार।
- (xiii) नेवल आफिसर-इन-चार्ज, गोआ।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अप्रैल, 1976 के लिए निर्धारित मुक्ति प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अप्रैल, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 5 जनवरी, 1976 को या उससे पहले (5 जनवरी, 1976 से पहले किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूहों या लकड़ीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 19 जनवरी, 1976) तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्गति तारीख के बावजूद इसके बावजूद जाना चाहिए।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट:—यदि उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी का अनुभव करते हों तो उन्हें पूर्वोक्त पैरा 4 के प्रथम उप पैरा में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए समय पर कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 19 दिनांक 22 अक्टूबर, 1975 के अनुसार परीक्षा की योजना के अन्तर्गत एक या अधिक सत्रों में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है। आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद सामान्यतः उसमें किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सत्र के लिए विचार किए जाने का इच्छुक हो तो उसे केवल एक ही आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। से उपायन्ध-I में उल्लिखित शुल्क का भुगतान केवल एक ही बार करना होगा और उसके द्वारा किए गए आवेदन हेतु प्रत्येक सत्र के लिए श्रलग श्रलग का भुगतान नहीं करना होगा।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में स्पष्ट रूप से सत्र (सत्रों) को वरीयता क्रम में विनिर्दिष्ट करना चाहिए जिसके/जिनके लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों। उन्हें सत्राह दी जाती है कि वे अपनी इच्छानुसार वरीयताएं विनिर्दिष्ट करें ताकि योग्यता क्रम में उनके रैंक को ध्यान में रखते हुए उन्होंने में प्रवेश के लिए अनुशंसा करते समय उनकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

8. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपायन्ध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें।

जिस अवेदन-पत्र के साथ इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एक अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लग नहीं होगा जो उपायन्ध-I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट आहते हैं।

9. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी बापस लेने के संबंध में उस से प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, नवम्बर, 1975 में बैठ रहा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा-परिणाम या संबद्ध सत्र में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह उपर्युक्त परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी सत्र में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपायन्ध-I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क बापस करने से संबद्ध अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त 1976 को या उससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

एम० एस० प्रुथी, उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग,

उपायन्ध I

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹० २८.०० (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹० ७.००) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंडीया या स्टेट बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों किसी अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रवाजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वह वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यार्थित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यार्थित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद प्रवाजन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे ₹० १५.०० (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में ₹० ४.००) की राशि बापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 9 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को आवेदन-पत्र यह भूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्हक परीक्षा में अमाफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सका तो वह शुल्क बापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 10 में की गई व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाधन-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण इस नोटिस के परा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर वह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तें में छूट नहीं दी जाएंगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पंरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छिता है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र और पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा उसे रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीप में रह रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 5 जनवरी, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैंसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों उन्हें अपने आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैक्षण “सी”) को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वयं अपने हित में आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेजनी चाहिए यदि ये आवेदन-पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अनंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र साधारणतया अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग में पहुंच जाने चाहिए यदि सरकारी सेवा में पहले से ही कार्यरत कोई व्यक्ति अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के

साथ नहीं भेजता है अथवा उस के द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

संस्कृत सेनाओं में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अफसर की मार्फत भजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैक्षण “सी”) को भर कर आयोग को भज देगा।

नोट :—अनाजप्त नौसैनिक (Naval Ratings) (बाल एवं शिल्पी अप्रेटिसों सहित), ऐसे स्पैशल सर्विस अनाजप्त नाविकों को छोड़कर जिनकी नियुक्ति पूर्ण होने में छह मास से कम का समय शेष है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं हैं। ऐसे स्पैशल सर्विस अनाजप्त नाविकों के आवेदन-पत्र जिनकी नियुक्ति पूर्ण होने में छह मास से कम समय शेष है, तभी स्वीकार किए जाएंगे जबकि वे उनके कमांडिंग अफसर द्वारा विधिवत अनुशंसित हों।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आंडर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाधन I)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ।

(v) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 5)।

(vi) शुल्क की माझी से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 6)।

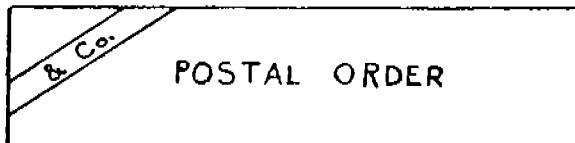
नोट :—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मध्य (ii), (iii), (v) और (iv) में उल्लिखित प्रमाणपत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही भेजें और वे प्रतिलिपियां सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी

द्वारा अभिप्राणित हों अथवा उम्मीदवार द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा परिणाम के आधार पर जो उम्मीदवार सेवा व्यवस्था के साक्षात्कार के लिए सफल घोषित हो जाएंगे उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाब ही उपर्युक्त मूल प्रमाण पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के अगस्त, 1976 में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को सेवा रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त आश इन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी इद्ध कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः छिनार किए जाने का वादा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण नीचे दिया गया है और मद(v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर,

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



और इस प्रकार भरा जाए:— “Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

समस्त पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आर्डरों को रेखांकित किए बिना या सचिव संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल पोस्ट ऑफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि ($\text{₹} 28.00$ के बराबर

और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए $\text{₹} 7.00$ के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजहूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष :— “051 Public Service Commission—Examination Fees,” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र भेज दें।

अनुदेशों के इस भाग में आए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पुष्ट की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए अन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण भिल सके कि अधिसूचना के पैरा 9 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस प्रमाण के शैक्षिक पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु उसे उस परीक्षा का परिणाम न सूचित किया गया हो तो वह परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। किन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी। यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र जल्दी से जल्दी और हर हालत में इंडियन मिलिटरी एकेडेमी तथा नौ-सेना एकेडेमी सर्वों में प्रवेश के लिए 1 दिसम्बर, 1976 तक तथा अल्पकालीन सेवा आयुक्त (अ-प्राविधिक) सर्व के लिए 10 मार्च, 1977 तक प्रस्तुत नहीं करते तो ऐसे उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द समझी जाएगी।

(iv) फ़ोटो की प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. 0 × 7 सें.मी. 0) के फ़ोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्यों कर देनी चाहिए। फ़ोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii), 3(iii) और 3(iv) में उल्लिखित कागजात में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के बिरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आवेदन-पत्र के साथ न भेजे हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [ऊपर पैरा 3(iii) के नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन पत्र भेजने की अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों से सेवा चृयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन कागजात में से किसी की भी गूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियाँ उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति पा होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हैं, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फ़ार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता-पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पवें पर नियुक्ति के सिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री*.....
सुपुत्र श्री.....
गांव/कस्बा*.....
जिला/मण्डल *...
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*.....
के निवासी हैं,
जाति/जन जाति* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (अशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथासंशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1959*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश,) आदेश 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968* ।

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन-जातियां, आदेश 1970*

2. श्री और/या*

उसका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा* राज्य/संघ
जिला/मंडल* राज्य/संघ
राज्य *क्षेत्र में
रहते हैं ।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मुहर के साथ)

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें ।

नोट:—यहां “आम तौर से रहते हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिपोर्टेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” की धारा 20 में है ।

**अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी क्लेक्टर/प्रथम श्रेणी का वृत्तिक मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रेसिस्टेंट कमिश्नर

†(प्रथम श्रेणी के वृत्ति मैजिस्ट्रेट से कम औहदे का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका औहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो ।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेन्ट अफसर, लक्ष्मीपुर ।

6. (i) उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए

प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964, को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रॉजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेट ।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) संबद्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सब डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।

(5) उप-राणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) क्लकता ।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है ।

(ii) उपाबन्ध I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को लंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आया के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है । उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है ।

(iii) उपाबन्ध-I के पैरा 2 के अंतर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है । उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रामाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है ।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पावता प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे प्रशिक्षण के लिए

अपना चयन हो जाने के बाद अभीष्ट पालता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा व्यौरा न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रशिष्ट में कभी भी कोई शुद्ध अथवा परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्सालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने दो विनिबंध (Monographs) प्रकाशित किए हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है। इन विनिबंधों को प्रकाशित करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उन बुद्धि परीक्षणों से परिचित करना है जो सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं।

- (1) पी० आर० डब्ल्य० I तथा पी०आर० डब्ल्य० II वाले बुद्धि परीक्षण बी० टी० वाई० का फलांक।
- (2) पी० आर० डब्ल्य० 24 तथा आई० एस० पी० 45 वाले बुद्धि परीक्षण बी० टी० वाई० का फलांक।

ये विनिबंध समूल्य प्रकाशन हैं। इनकी बिक्री कन्ट्रोलर आ०फ पब्लिकेशन्स, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006, के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आड़ेर द्वारा सीधे अथवा नक्कद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोरी सिनेमा के सामने, एम्पेरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लाक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नरमेंट आ०फ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नक्कद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

12. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-अध्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) रोल नंबर या यवि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो सो उम्मीदवार की जन्म-तिथि।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-अध्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त व्यौरा नहीं होगा उन पर संभव है कि ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बावजूद में परिवर्तन किया है तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम को घोषणा के तुरंत बावजूद हुए पते के बारे में सेना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए०), बैस्ट ब्लाक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस अनुदेश का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त म होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस विषय में वे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते।

14. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी जाए उन्हें अपने साक्षात्कार से संबद्ध पूछताछ या अनुरोध, यदि कोई हो सीधे सेना मुख्यालय ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए०) बैस्ट ब्लाक-3, विंग I, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विष्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिए जो, यदि संभव हुआ तो, साक्षात्कार की तारीखें निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 22nd October 1975

No. F.22/75-SCA(G).—After careful consideration of the decision of the Government to declare Monday the 8th December, 1975 as a holiday, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to decide, as a special case, that the Court and its offices shall also remain closed on Monday the 8th December, 1975 in commemoration of the tricentenary of the Martyrdom of Shri Guru Tegh Bahadur.

BY ORDER
S. K. GUPTA
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th October 1975

No. A.11013/2/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 6-9-75, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following three officials of the CSS cadre of the UPSC to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (Special) in the Commission's Office for a further period of one month with effect from 1-10-75 or until further orders, whichever is earlier :—

S. No., Name and Post held in CSS cadre

1. Shri B. S. Kapur—Section Officer
2. Shri B. N. Arora—Section Officer
3. Shri K. L. Katyal—Assistant

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officer (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy. for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 20th October 1975

No. P/1861-Admn.I.—Shri A. M. Kher, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) assumed charge of the office of the Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 9th October, 1975 until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
New Delhi-110003, the 29th September 1975

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer to Thumba, Shri R. G. Thampi, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the afternoon of 11th September 1975.

The 6th October 1975

No. E-38013(2)/6/75-Ad.I.—Shri K. N. Kapoor, IPS, relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Heavy Electricals Limited, New Delhi with effect from the forenoon of 1st September 1975 and assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bombay Airport, with Headquarters at New Delhi with effect from the same date.

The 15th October 1975

No. E-38013(3)/21/75-Ad.I.—On transfer from Calcutta, Shri P. P. Mitra, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Namrup with effect from the forenoon of 3rd September 1975.

The 18th October 1975

No. E-38013(2)/13/75-Ad.I.—1. Shri Sheoraj Singh Asstt. Inspector General Northern and Western Zone, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 10th October 1975 and assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bombay Airport, with Headquarters at New Delhi with effect from the same date.

2. Shri K. N. Kapoor, IPS, Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bombay Airport, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 10th October 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Inspector General, Northern & Western Zone, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the same date.

The 21st October 1975

No. E-38013(3)/11/75-Ad.I.—Shri G. S. Sandhu, relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India (Namrup) with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of 1st September 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Heavy Electricals Ltd. (Hardwar) with Headquarters at New Delhi with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 21st October 1975

No. A-38/3/71-Wireless.—Shri M. A. Kini appointed as Extra Assistant Director upto 14-10-1975 (AN) has been appointed as Extra Assistant Director in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of the 15th October, 1975 until further orders.

C. P. JOSHI
Director
Police Tele-Communications

CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-16, the 24th October 1975

F. No. 11(1)28/72-Admn.—Shri Dev Lal, Senior Translator in the Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs is appointed to officiate as Translation Officer in the Bureau on ad hoc basis w.e.f. 1st October, 1975.

G. K. MISHRA
Director

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 24th October 1975

No. 11/6/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Aradman Singh as Assistant Director of Census Operations in substantive capacity with effect from 18th October, 1975.

Shri Aradman Singh is at present officiating as Deputy Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.

BADRI NATH
Dy. Registrar General India &
Ex-Officio Deputy Secretary

**MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS
Dewas (MP), the 21st October 1975**

F. No. BNP/C/93/74.—The appointment on deputation of Shri M. S. Deshpande, Permanent Inspector Control in the Security Paper Mill, Hoshangabad as Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is continued on a regular basis w.e.f. 1-10-1975 to 30-9-1976 (A.N.).

D. C. MUKHERJEA
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 24th October 1975

No. 7(35).—Further to this office Notification No. 7(35)/14385, dated 18-3-1975, Shri N. P. Singh, Foreman (Mechanical) is allowed to continue to officiate as Assistant Engineer (Mechanical) in the Security Paper Mill in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1700 on ad-hoc basis from 1-10-1975 to 17-11-1975.

S. R. PATHAK
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA-I**

Administration-I

Bombay-400020, the 9th October 1975

No. Admn. I/IAD/31-Vol.II/6.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer with effect from the dates mentioned against each of them, until further orders:—

Name and Date

1. Shri M. S. Prabhudesai—28-2-1975 F.N.
2. Shri P. S. Narasimhan—28-2-1975 F.N.

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Controller General of Defence Accounts
New Delhi-110022, the 5th September 1975**

No. 23012(1)/75/AN-A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in a substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against each.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date of effect
1	2	3	4
Sarvashri			
1. Krishan Lal	.	CDA CC Meerut	1-8-1974
2. Inder Singh Sarna	.	Jt. CDA (Funds) Meerut	1-8-1974
3. K. Panchapagesan	.	CDA SC Poona	1-8-1974
4. Ranjit Singh	.	CDA CC Meerut	1-8-1974
5. T. V. Balasubramaniam	.	CDA (ORs) South, Madras	1-8-1974
6. Dev Prakash Mohindra	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-8-1974
7. Jagdish Lal Puri	.	CDA WC Meerut	1-8-1974
8. Brij Lal Sarda (Since retired)	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-8-1974
9. Harbans Lal Janjikhel	.	CDA (Pensions) Allahabad	1-8-1974
10. Prabir Chandra Ghosh	.	CDA (Fys) Calcutta	1-8-1974
11. S. Varadachari	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-8-1974
12. Y. Bhasker Rao	.	CDA (Pensions) Allahabad	1-8-1974
13. K. Ramadormal	.	CDA SC Poona	1-8-1974
14. C. R. Bhattacharjee	.	CDA Patna	1-8-1974
15. S. V. Phadke	.	CDA CC Meerut	1-8-1974
16. J. R. Das Gupta (Since retired)	.	CDA (FYs) Calcutta	1-8-1974

1	2	3	4
	S/Shri		
17.	Shanti Prakash Agarwal (Since retired)	CDA WC Meerut	1-8-1974
18.	Bireswar Biswas (Since retired)	CDA (Pensions) Allahabad	1-8-1974
19.	M. R. K. Sastry	CDA (Ors) South, Madras	1-8-1974
20.	M. Ganesan	CDA (Fys) Calcutta	1-8-1974
21.	I. C. Rajabanshi	CDA (ORs) North, Meerut	1-8-1974
22.	Parimal Chatterjee	CDA Patna	1-8-1974
23.	S. Rajamani	CDA SC Poona	1-8-1974
24.	A. Soma Sundaram	CDA SC Poona	1-8-1974
25.	Hari Krishan Lal Mullick	CDA WC Meerut	1-8-1974
26.	Ram Rattan Sharma (Since retired)	CDA WC Meerut	1-8-1974
27.	Puran Chand Sirpaul	CDA CC Meerut	1-8-1974
28.	E. R. Balasubramanian	CDA (Pensions), Allahabad	1-8-1974
29.	Gordhan Dass	CDA Patna	1-8-1974
30.	G. M. Tipnis	CDA SC Poona	1-8-1974
31.	Kulbir Banga	CDA (Pensions) Allahabad	1-8-1974
32.	S. K. Roy	CDA Patna	1-8-1974
33.	P. S. Seshappa	CDA (Fys) Calcutta	1-8-1974
34.	V. R. Seshadri	CDA (Officers) Poona	1-8-1974
35.	Hiranmoy Dutta	CDA Patna	1-9-1947
36.	K. V. Krishnaswamy	CDA (ORs) South, Madras	1-9-1974
37.	Harbans Lal Gupta	CDA WC Meerut	1-9-1974
38.	K. K. Govindan Nambiar	CDA SC Poona	1-9-1974
39.	K. Chakravorti	CDA SC Poona	1-9-1974
40.	Gorkal Sreenivasamoorthy	CDA (Officers), Poona	1-9-1974
41.	Radha Raman Chatterjee (Since retired)	CDA (Fys) Calcutta	1-9-1974
42.	V. K. Muthuswamy	CDA SC Poona	1-9-1974
43.	S. S. Sadagopan	CDA (Officers) Poona	1-9-1974
44.	K. J. Narasimha Rao	CDA (Ors) South, Madras	1-9-1974
45.	Chander Prakash Gulati	CDA (ORs) North, Meerut	1-9-1974
46.	T. A. Mathews (since retired)	CDA (Navy) Bombay	1-9-1974
47.	T. S. Ramamurthy	CDA SC Poona	1-10-1974
48.	L. R. Seshagiri Rao (Since retired)	CDA (ORs) South, Madras	1-10-1974
49.	Subodh Kumar Roy Chowdhury	CDA (AF) Dehra Dun	1-10-1974
50.	T. Dev Roy	CDA (Fys) Calcutta	1-10-1974
51.	K. Sitaramiah (Since retired)	CDA (AF) Dehra Dun	1-10-1974
52.	M. A. Joglekar	CDA (Officers), Poona	1-10-1974
53.	Kishore Chand (Since retired)	CDA (ORs) North, Meerut	28-10-1974
54.	Kidar Nath Khanna	CDA WC Meerut	1-11-1974
55.	N. R. Bose	CDA Patna	1-11-1974
56.	Ved Prakash Chibber	CDA (AF) Dehra Dun	1-11-1974
57.	Sri Ram Tanwar	CDA (Pensions), Allahabad	1-11-1974
58.	B. B. Chitnis	CDA SC Poona	1-11-1974
59.	G. V. Sathe (Since retired)	CDA (Officers) Poona	1-11-1974
60.	V. Sivaramakrishnan	CDA (Officers) Poona	1-11-1974
61.	Y. Radhakrishnan	CDA SC Poona	18-11-1974
62.	V. H. Katakkar	CDA (Officers) Poona	1-12-1974
63.	A. C. Jain	CDA WC Meerut	1-12-1974
64.	Amar Nath	CDA (ORs) North, Meerut	1-12-1974
65.	B. D. Mahajan	CDA (AF) Dehra Dun	1-12-1974
66.	Hemraj Banka (Since retired)	CDA WC Meerut	1-12-1974
67.	Roshan Lal Kalra	CDA (Fys) Calcutta	1-12-1974
68.	Bikramjit Grover	CDA CC Meerut	1-12-1974
69.	Ram Parashad Thapliyal	CDA Patna	1-12-1974
70.	S. K. Chakravarthy	CDA Patna	1-12-1974
71.	J. C. Gulati	CDA WC Meerut	1-12-1974
72.	Som Nath Malhotra	CDA CC Meerut	1-12-1974
73.	Balu Shankar	CDA (Fys) Calcutta	1-12-1974
74.	A. Jankiraman	CDA SC Poona	1-12-1974
75.	P. Thirumurthi Naidu	CDA CC Meerut	1-12-1974
76.	P. Rama Rao	CDA (Navy) Bombay	1-12-1974
77.	V. S. Rajahansa	CDA SC Poona	1-12-1974
78.	Dewan Singh Sudan	CDA (ORs) North, Meerut	1-12-1974
79.	Lekh Ram	CDA WC Meerut	1-12-1974
80.	Kirpal Singh	CDA CC Meerut	1-12-1974
81.	Khairati Lal Kapoor	CDA CC Meerut	1-12-1974

1	2	3	4
S/Shri			
82. Bhagat Ram Sharma	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-12-1974
83. G. K. Ramachandran	.	CDA (ORs) South, Madras	1-12-1974
84. B. D. Karandikar	.	CDA (Fys) Calcutta	27-12-1974
85. M. A. Khisti	.	CDA (SC) Poona	1-1-1975
86. P. Krishnamachari	.	CDA (Fys) Calcutta	1-1-1975
87. Y. Veerabhadra Rao	.	CDA (ORs) South, Madras	1-1-1975
88. M. M. Dutta	.	CDA CC Meerut	1-1-1975
89. G. D. Sharma	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-1-1975
90. Pyare Lal Aggarwal	.	CDA WC Meerut	1-1-1975
91. Jagdish Chander	.	CDA NC Jammu	1-1-1975
92. Tarapada Mitra	.	CDA (Fys) Calcutta	1-1-1975
93. Liladhar Taneja	.	CDA (Fys) Calcutta	1-1-1975
94. A. K. Chatterjee	.	CDA (Fys) Calcutta	16-1-1975
95. C. A. Abraham	.	CDA (ORs) South, Madras	1-2-1975
96. T. D. Bhattacharyya	.	CDA Patna	1-2-1975
97. R. Doraiswamy	.	CDA SC Poona	1-3-1975
98. M. Sethuraman	.	CDA CC Meerut	1-3-1975
99. Sukumar Mukherjee	.	CDA (Fys) Calcutta	1-3-1975
100. Ram Dutta Issar	.	CDA WC Meerut	1-3-1975
101. R. Balasubramanian	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-3-1975
102. P. Samuel (Since retired)	.	CDA (Pensions), Allahabad	1-3-1975
103. A. Balakrishnan	.	CDA (ORs) South, Madras	1-3-1975
104. N. Ramakrishnan	.	CDA CC Meerut	1-3-1975
105. K. K. Basu	.	CDA (Pensions), Allahabad	1-3-1975
106. N. Subramanian	.	CDA (Officers) Poona	1-3-1975
107. S. N. Murthy	.	CDA (ORs) South, Madras	1-3-1975
108. Mool Chand	.	CDA CC Meerut	1-3-1975
109. K. N. V. Krishnan	.	CDA WC Meerut	1-4-1975
110. Mukund Chand Joshi	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-4-1975
111. K. S. Narasimha Iyer	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-4-1975
112. K. C. Ghosh	.	CDA Patna	1-4-1975
113. M. K. Sanyal	.	CDA (Pensions) Allahabad	1-4-1975
114. S. V. Sundereswaran	.	CDA (Officers) Poona	1-4-1975
115. T. K. Subramanian	.	CDA (ORs) South, Madras	1-4-1975
116. K. A. Sankaran	.	CDA CC Meerut	1-4-1975
117. K. N. Kalayanasundaram	.	CDA (ORs) South, Madras	7-4-1975
118. M. G. Joshi	.	CDA (ORs) North, Meerut	10-4-1975
119. Roshan Lal Bagga	.	CDA WC Meerut	1-5-1975
120. B. N. Chakravarty	.	CDA (AF) Dehra Dun	1-5-1975
121. Sripati Bhattacharjee	.	CDA (ORs) North, Meerut	1-5-1975
122. D. P. Chadda	.	CDA (ORs) North, Meerut	1-5-1975
123. T. C. Rajpal	.	CDA SC Poona	1-5-1975

New Delhi, the 22nd October 1975

No. 68019(1)/73//AN-A.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints Shri Wazir Chand, Section Officer (Accounts) of the Defence Accounts Department (who was on deputation to the Department of Personnel) as Accounts Officer in an Officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 under the "Next Below Rule" from the forenoon of first April 1975 to 16th June 1975.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-400020, the 24th October 1975

No. EST.I-2(347).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 1st August 1975 and until further orders, Shri S. L. Parajia, Assistant Director, Grade I(NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Deputy Director (NT) in the same office.

2. Shri Parajia, Deputy Director (NT) retired from service with effect from the afternoon of the 30th September, 1975.

The 25th October 1975

No. EST.I-2(432).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 8th October, 1973 and until further orders Dr. K. I. Narasimhan, Director in the Office of the Textile Commissioner, Bombay as Industrial Adviser and Ex-Officio Joint Textile Commissioner in the same office.

R. P. KAPOOR
Textile Commissioner

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 21st October 1975

No. A-1/1(1030).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. G. I. Jacob, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of Director of Inspection, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Supplies and Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 22nd August, 1975 and until further orders.

The 22nd October 1975

No. A-1/1(1036).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri V. Dadel, Superintendent (Supervisory Level II) in the Directorate of Inspection (Met.), Jamshedpur to officiate as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Inspection, Madras with effect from the forenoon of 8th September, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 21st October 1975

No. A-1/1(86).—The President is pleased to appoint Shri Ardaman Singh, Director of Purchase (Grade II of the Indian Supply Service) in the Indian Supply Mission, London to officiate on *ad hoc* basis as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 29th August, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES
DEPARTMENT OF STEEL
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 21st October 1975

No. EI-13(82).—On attaining the age of superannuation Shri Jyotirmoy Basu, Deputy Assistant Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 30th September, 1975.

A. C. CHATTERJEE
Deputy Director (Administration)
for Iron & Steel Controller

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th October 1975

No. C-42891/724-SOS(A).—Shri Rawel Singh, Stores Assistant (Selection Grade) (offg.) who was appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Class II) in the Geodetic & Research Branch, Survey of India, Dehra Dun, an *ad hoc* basis vide this office Notification No. C-4982/724-SOS(A), dated the 6th August, 1975, is appointed to officiate as Assistant Stores Officer on a regular basis with effect from 29th August, 1975.

HARI NARAIN
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 24th October 1975

No. 6/5/74-Ant.—In supersession of this office Notification No. 6/5/74, dated 18-3-1975 setting up a Committee of Experts, at Bangalore (Jaynagar, Bangalore) it has been decided to re-constitute the Committee which will now consist of the following :—

Convener

1. Shri S. R. Rao,
Superintending Archaeologist,
Mid-Southern Circle,
No. 1382, 32nd Cross
4th Block, Jaynagar,
Bangalore.

Members

2. Director,
Archaeology and Museum,
(Karnataka State),
Mysore.

3. Chief Epigraphist,
Archaeological Survey of India,
100 Ft. Road,
Mysore.

4. Dr. Shivaraja Karanth,
Kotah. (South Kanara),
Karnataka.

5. Dr. A. Sundara,
Reader,
Dharwar University,
Dharwar.

N. R. BANERJEE
Director (Antiquities)
for Director General

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 17th October 1975

No. F.90-1/71-Estb./14329.—Shri S. N. Ghoshal, Head Librarian, Zoological Survey of India, is confirmed in the same post with effect from 3-9-1971.

DR. S. KHERA
Deputy Director-in-Charge

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th October 1975

No. 4(63)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri L. B. Shastri as Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the afternoon of 27th August, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 23rd October 1975

No. 3/128/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Jawahar Singh, Head Clerk, Television Centre, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, Radio Kashmir, Jammu with effect from 15-10-1975 (F.N.).

I. S. PANDHI
Section Officer,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st October 1975

No. 13-4/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Promod Kumar Sarin to the post of Dental Surgeon, Willingdon Hospital and Nursing Home, New Delhi with effect from the afternoon of 12th September, 1975 in an officiating capacity and until further orders.

The 25th October 1975

No. 28-8/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava to the post of Assistant Director (Ent.) at Regional Coordinating Organisation National Malaria Eradication Programme, Baroda for a further period from the 6th October, 1975 to the 28th October, 1975, *vice* Shri B. S. Krishnamurthy, on leave.

S. P. JINDAL
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 12th September 1975

No. F.4-5(46)/74-A.I.—On his attaining the age of 58 years, Shri O. N. Garg, Marketing Officer, Lucknow, superannuated from Government Service with effect from 31-7-1975 (afternoon).

N. K. MURLIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 15th September 1975

No. RRC/PF/286/72.—Project Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri Ambalam Narayanasamy Srinivasan Govindasamy as an officiating Assistant Accounts Officer in this Centre with effect from 17-11-1972.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3. the 21st October 1975

No. E(1)06950.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Sthanu Subramania Iyer, Professional Assistant, Meteorological Office, Visakhapatnam under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 30th September, 1975 *vide* this Department Notification No. E(1)06950, dated 1st September, 1975, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 1st October, 1975 and until further orders.

Shri S. S. Iyer, Officiating Assistant Meteorologist has been posted to the Regional Meteorological Centre, Bombay with effect from 15th September, 1975.

The 24th October 1975

No. E(1)04281.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. V. Pundle, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty two days with effect from the forenoon of 22-9-1975 to 12-12-1975.

Shri S. V. Pundle, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 21st October 1975

No. A.32013/9/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Misra, Technical Officer, in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi, to the grade of Senior Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from the 1st August, 1975, and until further orders, and to post him at the same station.

No. 10/2/75-EST.—The following are appointed as Assistant Engineers in a temporary capacity in the Office/Branch, and with effect from the date indicated against each, and until further orders:—

S. No.	Name	Office/Branch of posting	Date of appointment as temporary Asstt. Engineer
1. Shri Rajan Pal Singh	.	Switching Complex, Bombay	19-7-1975
2. Shri Anupam Biswas	.	Do	25-8-1975
3. Shri S. K. Chakravarty	.	Bombay Branch	15-9-1975
4. Shri M. B. Subramanian	.	Do	6-9-1975
5. Shri Sunder Shamsher Singh Chhabra	.	Dhond Branch	12-9-1975
6. Shri C. S. Sugand	.	Arvi Branch	15-9-1975
7. Shri D. Gopala Desikan	.	Bombay Branch	22-9-1975
8. Shri Rajinder Kumar Kalra	.	Dhond Branch	29-9-1975
9. Shri R. Nadarajan	.	Switching Complex, Bombay	30-9-1975
10. Shri Anil Kumar	.	Bombay Branch	15-10-1975
11. Shri Avinash C. Arora	.	Arvi Branch	9-10-1975
12. Shri Subhash Chandra Jain	.	Do	15-10-1975

The 24th October 1975

No. A.32013/5/75-EC.—The President is pleased to appoint the following five Communication Officers, working as Senior Communication Officer on an *ad hoc* basis, as Senior Communication Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 29-4-1975 (forenoon) and until further orders:—

1. Shri Kishu Tek Chandani.
2. Shri V. K. Kalra.
3. Shri S. C. Goswami.
4. Shri R. P. Sharma.
5. Shri L. R. Garg.

2. This Department Notification No. A. 32013/5/75-EC, dated 18th August, 1975 is hereby cancelled.

The 25th October 1975

No. A.32014/3/75-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. P. Saigal, Communication Assistant as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 10-9-1975 (F.N.) purely on an *ad hoc* basis *vice* Shri C. L. Magoo, Assistant Communication Officer granted leave.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi-110022, the 17th October 1975

No. A.32013/2/75-E(H).—The President has been pleased to appoint Shri J. S. Chowdhury as Director of Air Routes and Aerodromes (Planning) in the Civil Aviation Department on regular basis with effect from the forenoon of the 10th September, 1975, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th October 1975

No. 1/379/75-EST.—Shri Ram Shiromani, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay is appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office with effect from the forenoon of the 18th September, 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

Bombay, the 20th October 1975

No. 1/254/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri F. Paaliath, permanent Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 8-9-1975 to 30-9-1975 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 21st August 1975

(ESTABLISHMENT)

No. 116.—Shri Dwarka Nath Raiya, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent Central Excise, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, took over the charge of the office of Superintendent, Customs, Class-II, Air Cargo Unit, Palam in the forenoon of 4th August 1975 from Shri Kedar Singh shifted.

No. 117.—Shri M. S. Bedi, Inspector (SG) of Central Excise, Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed the charge of the office of Superintendent, Central Excise, Class-II, Central Excise (Preventive), Hqrs. Office, New Delhi in the forenoon of 5th August 1975.

No. 118.—Shri S. L. Chadha, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, took over the charge of the office of Superintendent (Baggage), Hqrs. Office, New Delhi in the afternoon of 1st August 1975 from Shri R. D. Vasudeva transferred to Chandigarh Collectorate.

M. S. MEHTA, Collector.

Bangalore, the 11th September 1975

No. 15/75.—Shri B. R. Kalwadkar, permanent Inspector (S.G.) of Central Excise has been promoted to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the time scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 and assumed the charge as Superintendent of Central Excise Class II at Chikkamangalore MOR on 30th August 1975 (FN).

S. VENKATARAMA IYER, Collector

Allahabad, the 6th October 1975

No. 135/1975.—Shri Som Nath Marwah, confirmed Inspector (Senior Grade) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly and appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 244/1975, dated 1st September 1975, assumed charge as Superintendent, Central Excise, Class II at Lakhimpur Kheri in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur on 15th September 1975 (forenoon), vice a vacancy.

H. B. DASS, Collector

Guntur-522004, the 10th October 1975

(CENTRAL EXCISE DEPARTMENT)

No. 14.—Shri K. Bhungeswara Rao, permanent Inspector of Central Excise (S.G.) has been appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise, Class-II in the Central Excise Collectorate, Guntur. He has assumed charge as Superintendent of Central Excise, Class-II, with effect from 11th September 1975 F.N.

I. J. RAO, Collector.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 22nd October 1975

No. 6-134/73-C.H. (Estt.)-4147.—Shri P. C. Ghosh is appointed as Assistant Chemist (G.C.S. Class-II Gazetted) with effect from 8th September 1975 (F.N.) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc and temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Calcutta, till further orders.

D. S. DESHMUKH,

Chief Hydrogeologist and Member

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 21st October 1975

No. P.185/GAZ/Mech.—Sri P. C. Kumar, an Officer of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers (On Probation), is confirmed in Class-I/Junior Scale of that service on this Railway with effect from 28th July 1975.

K. S. RAJAN, General Manager

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Ahmedabad, the 23rd October 1975

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s The Ahmedabad Small Scale Engineering Industries Association Ltd.

No. 871/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s The Ahmedabad Small Scale Engineering Industries Association Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies
Gujarat.

Hyderabad-1, the 20th October 1975

In the matter of the Companies Act, 1956 and of City Taxi Service Private Limited.

No. 1058/T.(560).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the City Taxi Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 22nd October 1975

No. F.48(c)Ad(AT)/75.—1. Shri L. R. Aggarwal, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for the period from 1st July 1975 to 30th September 1975 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/75-P.II, dated 31st July 1975 is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on regular basis (against promotion quota) with effect from 1st October 1975 (Forenoon) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 1st October 1975 (Forenoon).

2. Shri R. C. Srivastava, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for the

period from 1st July 1975 to 30th September 1975 vide its office Notification No. F. 48-Ad(AT)/75-P.II, dated 31st July 1975, is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on regular basis (against promotion quota) with effect from 1st October 1975 (Forenoon) in the scale of Rs. 650—30—740—35—

320—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from October 1975 (Forenoon).

HARNAM SHANKER, President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Patna, the 25th October 1975

No. Recovery/VI-5/75-76/49089.—Whereas the central Govt. is of the opinion that it is necessary and expedient in Public interest to publish the names and other particulars in respect of the assessee in whose case amounts of over Rs. 1 lac have been written-off, I hereby notify u/s 87 of the I.T. Act, 1961, for publication the names of the persons in whose case amount of over Rs. 1 lac have been written off during the year 1974-75.

Sl No.	Name of the assessee person	Status	Amount of demand written off (including the year in which it has created)	No. and of the order under which the amount was written off.
1	2	3	4	5
1.	M/s Dwarka Das & Co Gaya	URF	1948-49 1949-50 1950-51 Rs. 74,190 Rs. 41,082 Rs. 5,231 Rs. 12,630 Rs. 1,33,133	Vide CIT's Bihar-I Patna order dt. 20-3-74
2.	M/s Haldhar & Co.(P) Ltd. Patna.	Company	1968-69 1969-70 1970-71 1971-72 1972-73 1973-74 Rs. 347 Rs. 1,120 Rs. 24,533 Rs. 1,14,337 Rs. 57,999 Rs. 69,475 Rs. 2,72,811	Vide CIT's Bihar-II Patna order dt. 29-3-75

NOTE.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of the Income-tax Department it cannot on the date of publication be realised from the known assets of the assessee. The Publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liability to pay the amount in question.

S. R. KHARABANDA
Commissioner of Income-tax Bihar-I, Patna

FORM ITNS

(1) Shri Naunihal Singh s/o Gurpal Singh,
& P.O. Garya, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Parminder Kaur w/o Amrik Singh Vill.
& P.O. Litran, Tch. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act, in respect of any
income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 10191 of
March, 1975 of S. R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2075(901)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Industrial Area, Rajafgarh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 31-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Seeta Virmani w/o Shri Parma Nand, for self and as Guardian of her minor daughter Kumari Jyoti Virmani d/o Shri Parma Nand r/o 29, Saraswati Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala w/o Shri Amar Nath 2. Shri Kishore Kumar 3. Shri Ashok Kumar 4. Shri Anoop Kumar all minors sons of Shri Amar Nath through their father and natural and legal guardian Shri Amar Nath all residents of 19/2-B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. M/s Delton Cables.
2. M/s Globe Paints.
3. M/s Navbharat Industrial Corporation.
4. M/s Hindustan Tin Factory.
5. M/s Hind Dyes Sales Corporation.
6. Shri Rattan Lal.
7. Shri Kanhaiya Lal,
all r/o 24, Industrial Area Najafgarh Road, Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land being plot No. 24 Block X and measuring 0.99 acres and building thereon situated at Industrial Area Najafgarh Road Scheme Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. 41.
East : Service Road.
West : Plot No. 25.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Piara Singh s/o Shri Saudagar Singh r/o J-11/129, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1972(900)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1/2 share of 126 situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Mool Chand Nayyar s/o Shri Lehna Singh, r/o Z-4, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land bearing No. 126 measuring 363.1/2 sq. yds situated in the colony known as Raja Garden, Area of village Bassai-dara Pur, Delhi state, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. WZ-93-A
East : Road 30' Wide
South : House on plot No. 125.
West : Other's property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Piara Singh s/o Shri Saudagar Singh r/o J-11/129, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Devi w/o Shri Mool Chand Nayyar r/o Z-4, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1971(899)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of 126 situated at Raja Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land bearing No. 126 measuring 363.1/2 sq. yds. situated in the colony known as Raja Garden, Area of Village Bassaidara Pur, Delhi State, Delhi and Bounded as under:—

North : House on Plot No. 125.
East : Road 30' wide.
South : House on Plot No. 125.
West : other's property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Parkash Wati w/o Shri Om Parkash Sharma r/o H/12 Naveen Shahdara, Delhi.
(transferor)

(2) Smt. Kamla Devi w/o Shri Jagdish Chand r/o H-12, Naveen Shahdara, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/295(897)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of H/12 situated at Naveen Shahdara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 5-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house comprising of three rooms, one kitchen, latrin and bath built on land measuring 222 sq. yds. being half portion of plot No. H/12, situated in the residential colony known as Naveen Shahdara, bearing Kb. No. 75 and 91 area of Village Uldhanpur, Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sukh Lal s/o Shri Kishan Lal r/o 31, Ashoka Park Extn. New Delhi-26.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Shyam Lal Jain s/o Shri Sehri Mal Jain r/o 31, Ashoka Park Extn. New Delhi-26.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1969(896)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at Ashoka Park Extn. New Delhi-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey house built on a plot of land measuring 214.8 sq. yds. situated No. 31, Ashoka Park Extn. New Delhi-26 and bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. 34
East : Plot No. 32.
West : Plot No. 30.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dato : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sham Dass Chawla s/o Shri Bhagat Radhe Kishan Chawla, partner of M/s Radhe Kishan Jagan Nath Chawla, Timber Merchants, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

(2) Shri Ishwar Chand Agarwal s/o Shri Ballu Ram.
2. Shri Subhash Chand Agarwala.
3. Shri Ramesh Kumar Agarwala sons of Shri Ishwar Chand Agarwala, residents of R. V. Building, Sewak Road, Siliguri, (West Bengal).
4. Shri Radhey Sham Agarwal s/o Shri Ishwar Chand Agarwal, r/o Krishan Nagar, Hissar (Haryana).

(Transferred)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 41 bearing Municipal No. 8502 with the lease-hold rights in land measuring 263.33 sq. yds. situated on Ara Kashan Road, Ram Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 40.
West : Road
North : Road
South : Road

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Parkash Aneja s/o Shri Uttam Chand Ahuja r/o E-85, Kirti Nagar, Ne Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. JAC/ACQ.II/1852(894)/75-76.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/100 share of plot No. 8 situated at Industrial Area, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Smt. Krishna Devi, w/o Late Shri Nand Lal Aneja r/o L-91 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17/100 share in property No. 8 Industrial Area on Najafgarh Road, area of village Bassai Darapur, New Delhi measuring 2044.44 sq. yds, consisting of one tin shed office block and boundary wall and bounded as under :—

North : D.C.M. Land
East : Plot No. 7.
South : Najafgarh Road.
West : Plot No. 9.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurmukh Dass Grover s/o Shri Motan Dass Grover r/o B-29, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1850(893)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 17/100 share of plot No. 8 situated at Industrial Area, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Sarla Devi w/o Shri Lachman Dass Aneja, r/o A-40, Kirti Nagar New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17/100 share in property No. 8 Industrial Area in Najafgarh Road, area of village Bassai Darapur, New Delhi measuring 2044.44 sq. yds. consisting of one tin shed office block and boundary wall and bounded as under :—

North : DCM land.
East : Plot No. 7.
South : Najafgarh Road
West : Plot No. 9.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lekh Ram s/o Shri Kallu Mal r/o 7595-96,
Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Soma alias Chameli Dukhtar, w/o Shri Kanhya Lal 2. Shri Kanhya Lal s/o Shri Puran Mal, r/o 7812, Ram Nagar, Gali No. 3, Paharganj, New Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1807/(898)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7594-7596 situated at Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18-326GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed house constructed on a plot of land measuring 114 sq. yds. bearing municipal No. 7594-7596 Ward No. XV, Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi and bounded as under :—

North : House of Shri Om Parkash
East : Gali.
South : Road.
West : Plot No. 7.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 18-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS

Madras-6, the 25th October 1975

Ref. No. F. 10/1/107/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at T.S. No. 229, Mariamman Koil West Lane, Thiagaraja College Lane, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madurai on February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. K. Lakshmi Ammal, W/o Shri Ramagopala Iyer, No. 1, Myna Theppakulam 3rd Lane, Madurai.
(Transferor)

(2) Smt. Magamayee Ammal, W/o M. K. Ganesh Nadar, 18, Rajendra Bhavanam, Pankajam Colony, Ramnad Road, Madurai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 99 x 28 $\frac{1}{2}$ ' and building at door No. 8A, T-S 229, Mariamman Koil Lane, Thiagaraja College Lane, Ramnad Road, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 25-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Balagangadha Menon, S/o Kizhakke Thottakkattu Parukutty Amma, Govt. Servant, Karithala, Ernakulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. N. Chandrasekhara Pillai, S/o Sri M. S. Narayana Pillai, Assistant Surgeon, District Hospital, Quilon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
COCHIN-11

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Cochin-11, the 16th October 1975

Ref. L.C. No. 48/75-76.—Whereas, I, M. M. Kurup, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing Survey Nos. 716/2 and 1557/2 situated at Ernakulam Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 7-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8 25/6 cents Paramba in survey No. 716/2 and 19/25 cents paramba in survey No. 1557/2 of Ernakulam Village Karithala Desaom.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

M. M. KURUP,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Samarendra Chandra Dasgupta, 3 Penn Court,
5B Penn Road, Calcutta-27.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 24th October 1975

Ref. No. 294/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 176/14/164 at Raipur Road Jadavpur, 24-Pgs. (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs. on 8-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Ashoke Nath Bose Flat No. Y-25, Gariahat Road, Calcutta-19.
(Transferee)

(3) State Govt. of West Bengal.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of lease hold land measuring 10 couACS 10 chittacks 34 sq. ft more or less together with a two-storied building erected thereon at premises No. 176/14/164, Raipur Road, P.S. Jadavpur 24-Parganas as per deed No. 1285 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24 Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 24-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gursharan Kaur w/o Shri Mohinder Singh r/o
110 Green Avenue, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref No. ASR/177/75-76/2617.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated
at 509 Green Avenue Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property Plot No. 509 Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Dated No. 24 of March 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 23-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd October 1975

Ref No. ASR/AP-1419/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated

at Court Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Biden Chand s/o Uma Chand self & GA of Smt. Kishan Thakur w/o Uma Chand & S/Shri Atul Chand & Bimal Chand s/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur d/o S. Mohen Singh, V. Bichi Wind Teh. Ajnala & Rajinder Singh s/o Mehar Singh Rani Bagh Amritsar
Shri Dal Singh s/o Ratan Singh V. Maha Th. Ajnala.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property & Shri Manoj Kumar s/o Shri Nikka Singh c/o M/s Amrit Dairy, Court Road, Amritsar (Party impleaded)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 214, 211 and 212 of April 1974 of the Registering Authority, Amritsar

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22.10.75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd October 1975

Ref No. ASR/AP-1416/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Court Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Biden Chand s/o Uma Chand self and GA of Smt. Kishana Thakur w/o Shri Uma Chand & S/ Shri Atul Chand & Bimal Chand ss/o Thakur Uma Chand, 37 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur d/o S. Mohan Singh V. Bichi-Wind Teh, Ajnala & S. Rajinder Singh s/o Mehar Singh Rani Bagh Amritsar

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property & Shri Manoj Kumar s/o Shri Nikka Singh c/o M/s Amrit Dairy, Court Road, Amritsar (Party impleaded)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned the Registered Deed No. 214 of April, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 22.10.75

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 25th October 1975

Ref. No. AP-1358.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bootapind, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Darshan Singh, Tara Singh s/o Hazura Singh of Bootapind, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Major Baldev Singh of Boota Pind, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the house. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 10055 of Feb. 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 25th October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Labh Singh Attorney of
Labh Singh s/o Kesar Singh A/55, Panchsheel
Enclave, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander s/o Dary Baksh, E.G. 128,
Pacca Bagh, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation
of the property)

(4) Any other person interested in the house. (Person
whom the undersigned knows to be interested
in the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th October 1975

Ref. No. AP-1359.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Pacca Bagh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 10172 of Feb. 1975 of S.R. Jullundur. S. Rgd. deed No. 10075 of Feb. 75 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kali Charan s/o Basau Ram Jamuna Devi
w/o Bhamani Datt, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 25th October 1975

Ref. No. AP-1360.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mandi Fentam Ganj, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Rattan Chand, Roshan Lal Jain S/o Sohan Lal, Mandi Fentam Ganj, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the shop. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 10149 of Feb., 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25th October 1975
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Vir Singh s/o Shri Radha Krishan r/o 53,
Raja Garden, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Harvinder Kaur w/o S. Manjit Singh r/o 47, Hanuman Road, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAFAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2041(902)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53 situated at Raja Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house built on a piece of free-hold plot of land bearing plot No. 53 measuring 213.22 sq. yds. situated in the colony known as Raja Garden on Nafajgarh Road, area of Village Bassaidarpur, Delhi slate, Delhi and bounded as under :—

North—Road
South—House on plot No. 15-16
East—Property No. 54
West—Property No. 52

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRILL/Mar-I/654/(22)/74-75.
Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nill situated at Village Jonapur Tehsil Mehruli N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Svs. Hari Chand; Ballu; & Lakhi Chand, son of Late Sh. Hct Ram, r/o Village Jonapur, Tehsil Mehrauli New Delhi, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Bhagat Construction Co. (P.) Ltd. C-136, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 7 Bighas and 2 Biswas (about 7197 sq. yds.) in Mustatil No. 15 Part of Killa Nos. 19 & 20 situated in Village Jonapur Tehsil Mehrauli, Distt. Delhi, New Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Singh s/o Kadam Singh, village
Sabowal, tehsil Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Jullundur, the 25th October 1975

(2) M/S Basant Bihar, Cooperative House Building Society Sabowal, tehsil, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the house. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Ref. No. AP-1361.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 10430 of March, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 25th October 1975

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1316.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in March 19, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Singh s/o Audam Singh, Sabowal.
(Transferor)
- (2) The Basant Bihar Co-op. House Building Ltd.,
Sabowal.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 10822 of March, 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS—(1) Shri Dharam Singh s/o Audam Singh, Sabowal,
(Transferor)(2) The Basant Bihar Co-op. House Building, Jullundur,
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation
of the property)(4) Any person interested in property. (Person whom
the undersigned knows to be interested in the
property).**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1317.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 10041 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 25th October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Singh s/o Udom Singh, Sabowal.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1318.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

- (1) Shri Dharam Singh s/o Udom Singh, Sabowal.
(Transferor)
- (2) The Basant Bihar Co-op. House Building Sabowal Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10048 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(2) The Basant Bihar Co-op. Society Ltd. Sabowal.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1319.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sabowal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in March 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Singh s/o Audam Singh, Sabowal.
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10428 of March, 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date . 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Gurjot Singh s/o Chattar Singh of Bal Teh.
Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1320.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10095 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gardar Singh & Sardara Singh ss/o Shiree Singh of Bal Teh. Jullundur.

(Transferor)

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Gurjot Singh s/o Chattar Singh of Bal Teh. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1321.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10121 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardara Singh s/o Shiree Singh and Gurbachan Singh s/o Hera Singh of Bal, Teh. Jullundur.
(Transferor)

Date : 22-10-1975
Seal :

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

FORM ITNS—

(2) Shrimati Balvinder Kaur w/o Gurjit Singh &/o Harbhajan Singh s/o Bal, Chattar Singh, V. Bal, Teh. Jullundur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. 1322.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Bal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(1) Shri Gardara Singh & Sardara Singh ss/o Shiree Singh r/o Bal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10096 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1323.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Nagra, Distt. Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Jagat Singh Nagra
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9726 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1324.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Nagra, Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Fakhiar Singh s/o Jagat Singh, Nagra
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9725 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Nagra, Distt.
Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Sucha Singh s/o Jagat Singh, Nagra.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1325.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be-
lieve that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kartarpur-Bulath
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen percent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9721 of
Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Nagra, Distt.
Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Fakir Singh s/o Jagat Singh, Nagra.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1326.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur-Bhulath Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9722 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date: 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Doulat Ram s/o Matab Kartarpur Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakhvinderjit Singh, Baljinderjit Singh, Tajinderjit Singh, Jagjit Singh, r/o Sabowal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1327.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 9646 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21—326GI/75

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Nagra, Distt.
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Jagat Singh, Nagra,
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1328.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9723 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date: 22nd October 1975
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Banta Singh s/o Narayan Singh, Vill. Nagra,
Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jaspal Singh s/o Jagat Singh, Nagra.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of
the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property. (Person
whom the undersigned knows to be interested in
the property.)

Jullundur, the 22nd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1329.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at Kartarpur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jullundur in Feb., 75

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9724 of
Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mansa Ram s/o Sita Ram, Ram Sarup s/o Mha Raj Kishan of Kartarpur village, Teh. Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

- (2) Jit Singh, Malkiat Singh, Makhan Singh ss/o Sohan Singh r/o Chima Kartarpur, Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref.No.AP-1330.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Kartarpur (Chinia) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on 19 Feb. 75.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9777 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mansa Ram s/o Sita Ram, Ram Sarup s/o Mha Raj Kishan, Kartarpur, Distt. Teh. Jullundur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanan Singh s/o Inder Singh, Pargat Singh, Surinderpal Singh ss/o Chanan Singh, vill. Chima, Teh. & Distt. Jullundur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1331.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Chima (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9779 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Chanan Singh s/o Inder Singh, Pargat Singh, Surinderpal Singh ss/o Chanan Singh, Vill. Chima, Distt. Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1332.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Chima

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mansa Ram s/o Sita Ram, Ram Sarup s/o Mha Raj Kishan, Kartarpur, Distt. Teh. Jullundur
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9778 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Satwinder Singh s/o Naranjan Singh, Tahli Sahib, Kartarpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1333.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kartarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

(1) Shri Sohan Singh s/o Inder Singh, r/o Tahli Sahib, Kartarpur.
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Reqd. Sale deed No. 9568 of Feb. 75 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd October 1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1334.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Chak Zinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Ajit Singh, r/o Gohani, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Harbhajan Singh s/o Narain Singh, r.o. Chakzindan.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above, (Person) in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9794 of Feb. 75 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Singh s/o Inder Singh of V. Maqsudpur
Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1335.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Chak Zinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

22-326 GI/75

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Harbhajan Singh s/o S. Narain Singh Vill. Chak Zinda, Teh. & Dist. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9638 of Feb. 75 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22nd October 1975
Seal:

FORM ITNS—

(1) Sh. Harcharan Singh w/o Mehar Singh D-67 West Patel Nagar, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1336.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Bawakhel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Kartar Singh s/o Surinder Singh, W. E. 364 Ali Mohalla, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10099 of Feb. 75 of the S.R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd October 1975
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Aytar Singh s/o Rala Singh Village Chuhaiwali, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Sh. Naranjan Singh s/o Mehar Singh Dhada, Vill. Chuhaiwali, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1337.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Chuhai Wali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 9639 of Feb. 75 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Sh. Sat Paul G.A. to Sh. Kewal Dev s/o Bishan Dass, Chowk Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash Aggarwal s/o Shri Kashmiri Lal Aggarwal, H. No. 242/2, Ashok Vihar, Delhi-7.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1338.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Amar Nagar & Tanda Rd., Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(Transferee)

- *(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 9975 of Feb. 1975 of S. R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kumar Bhardwaj s/o Sat Pal Bhardwaj,
GA to Kemal Dev s/o Bishan Dass, Chowk Adda
Hoshiarpur, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Subash Chand Aggarwal, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1339.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale deed No. 9976
Feb. 75 of S.R. Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22nd October 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Karam Singh s/o Basant Singh, 389-Lafpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh, Vill. & P.O. Litran Teh. Nokodar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP-1340.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Shop in Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property as mentioned in Regd. deed No. 9890 of February, 1975 of S.R. Jullundur.

RAVINDEER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-10-75.

Seal :

FROM ITNS

(1) Sh. Jagir Singh s/o Partap Singh V. & P.O.
Garab, Teh. Jullundur,
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1341.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Amrik Singh, V. & P.O. Litrap, Teh., Nakodar,
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 9891 of February 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1342.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1975 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Giani Shanker Singh s/o Bal Singh, Modern Colony, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Perminder Kaur w/o Amrik Singh V. & P.O. Litran. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whome the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registration deed No. 9892 of S. R. Jullundur of Feb. 1975.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1343.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Dilkusha Market, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S. Swaran Singh s/o Lakha Singh, Civil Lines, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Amrik Singh, V. & P.O. Litrain, Tch. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any person other interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. deed No. 9893 of Feb., 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDEER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vir Singh s/o Shri Radha Krishan r/o 53,
Raja Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Carmann Auto (P) Ltd., 2730, Kashmere Gate, Delhi-6 through its Managing Director Smt. Harvinder Kaur w/o S. Manjit Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2042(903)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 53 situated at Raja Garden, New Delhi,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-5-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A share of a single storeyed house built on a piece of freehold plot of land bearing plot No. 53, measuring 213.22 sq. yds, situated in the colony known as Raja Garden on Najafgarh Road, area of village Bassaidarapur, Delhi state, Delhi and bounded as under :—

East: property No. 54.
West: Property No. 52.
North: Road
South: House No. 15-16.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 17-10-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1345.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at New Jawahar Nagar, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in February 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Kumar s/o Sh. Maya Lal, Model Town through Maya Lal General Attorney. (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh s/o Sh. Jaswant Singh, 386-New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 10161 of Feb. 75 of the Registering authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1346.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Allawalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Avtar Singh s/o Lachman Singh GA to Sh. Mehar Singh s/o Rai Singh, Bullowal.
(Transferor)
- (2) Smt. Tarsem Kaur w/o Pritam Singh Alawalpur Rakka, Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale deed No. 9810 of Feb. 75 of the S. R. Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahan Chand s/o Lehna, r.o. Dagham,
Teh. Garshankar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chand s/o Dulla, r.o. Dagham.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 22nd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP 1347.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Dagham (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshankar, Mar. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 3527 of March, 75 of S.R. Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mehan Chand s/o Lehna r/o Dagharam
Teh. Garshankar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ram Piara w/o Ram Chand, r/o Dagharam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)

Jullundur, the 22nd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P.1348.—Whereas, I, Ravinder Kumar
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per schedule situated at Dagharam
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Re-
gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Garshankar in May, 75

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale deed No. 401 of
May, 75 of S. R. Garshankar.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the
following persons, namely :—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahan Chand s/o Lehna r/o Dagham,
Teh. Garshankar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1349.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Dagham (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garshankar in May, 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Santnam Singh s/o Lehmbar Singh, r/o Dagham.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale Deed No. 485 of May, 75 of S. R. Garshankar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hardev Singh s/o Ujagar Singh r/o Darwan.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sh. Joginder Singh s/o Banta Singh r/o Talan,
via Jullundur Cantt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)

Jullundur, the 22nd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P.1350.—Khreas, I, Ravinder Kumar,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at Darwan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur, in Feb. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 10819 & 10820
March, 1975 of S. R. Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1353.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Gur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in 19 Feb. 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, irrespective of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Gyan Chand, Dewan Chand, Parkash Chand and Kailash Chand ss/o Late Tek Chand r/o Mandi Fantom Ganj, Jullundur city.
(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash s/o Sh. Ram Parshad c/o Om Parkash & Sons, Karyana Dealers, Gur Mandi, Bz., Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Sale deed No. 9880 of Feb. 75 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range Jullundur

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hardev Singh s/o Ujagar Singh r/o Darwan
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Singh s/o Banta Singh r/o Talan
via Jullundur Cantt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Jullundur, the 22nd October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ref. No. AP 1351.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Darwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 10819 & 10820 of March, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1352.—hereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Jaganpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Amroo Ram s/o Roulu Ram, r/o Dolika Sunderpur, G.A. to Bakshi Ram s/o Amroo r/o Doli Ke Sunderpur P.O. Alawalpur.
(Transferor)

(2) Smt. Nasib Kaur d/o Amar Singh r/o Alawalpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9575 of Feb. 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) S. Waryam Singh s/o Late S. Arjan Singh s/o
Late S. Gurmuikh Singh, Railway Road,
Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kamlesh Jain w/o Sh. Subhash Chander
s/o L. Kashmiri Lal Jain of Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1355.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Railway Road, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hoshiarpur in Feb. 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Regd. deed No. 4015 of Feb. 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1357.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vijay Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhavani Datt Sehgal s/o Tulsi Ram Sehgal, 76-77, Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(2) Shri Prem Pal s/o Bhawani Datt, 77-Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 556 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Jullundur

Date : 22-10-1975

Seal :

FROM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1356.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Plot in Vijay Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhawani Datt Sehgal s/o Tulsi Ram Sehgal, 76-77, Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Prem Pal s/o Bhawani Datt, 77-Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the plot.
(Person whom the undersigned know to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. deed No. 10114 of Feb. 75 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 22nd October 1975

Ref. No. AP 1354.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. As per schedule situated at Arjan Singh Street Hoshiarpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Feb. 1975
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thereof, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Hardial Singh s/o Sh. Arjan Singh, Advocate s/o Gurmukh Singh r/o Railway Road, Hoshiarpur City, real vendor Wariam Singh s/o Arjan Singh, r/o Railway Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Phula Rani w/o Chaman Lal s/o Kashmire Lal, Moh. Purian, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in Rcgd. deed No. 4016 of Feb. 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Mohandas Lalji & Ors., Rajda Nagar Factory Lane,
Borivali (West), Bombay-98.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY-400 020.

Bombay-400 020, the 23rd October 1975

Ref. No. AR/III/688/Mar.75.—Whereas, I, R. G. Nerurkar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 29, C.T.S. No. 1008 of Sheet situated at Kandivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Sub Registrar's Office, Bombay on 1-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) R. B. I. Employees' "Shanti" Co-op. Hsg. Soc. Ltd. C/o Reserve Bank of India, Issue Deptt. Fort, Bombay-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29, C.T.S. No. 1008 of Sheet No. 70 at Dhahanukar Wadi, in Kandivli, in registration Sub-district Bombay city and Bombay Suburban, admeasuring about 920 sq. yds. or 769.1 sq. mets.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 23-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chander Moham, s/o Sh. Seth Ram, H.N. 11,
Sector 9-A, Chandigarh.
(Transferor)

(2) S. Shri Mohan Kundra and Vijay Kundra, R/o, S-
235, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

(3) Shri Mohan Kundra and Vijay Kundra R/o, S-235,
Greater Kailash-I, New Delhi.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-577 measuring 400 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :—

East : Road
North : Plot No. E-579
West : Service Lane
South : Plot No. E-575

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

25—326GI/75

Date : 21-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.
4/14-A, Sahib Singh Bldg. 3rd Floor
Asaf Ali Road, New Delhi.

New Delhi, the 21st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/(16)/April-1/700/75-76.—

Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-255, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Balwant Singh Chatrath, S/o Shri Lal Singh Chatrath, 873, Qutab Road, Sadar Bazar, Delhi. (Transferor)

(2) Shrimati Sushma Pruthi, W/o Shri Diwan Chand Paruthi and Shri D. C. Paruthi, R/o 4/71, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

(3) Smt. Syshma Paruthi and Shri D. C. Paruthi, R/o 4/71, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot No. M-255 measuring 400 sq. yds. in residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi with all its rights, titles, interests, easements, privileges and appurtenances there to.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

Date : 21-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.**

4/14-A, Sahib Singh Bldg. 3rd Floor
Asaf Ali Road, New Delhi.

New Delhi, the 21st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR/II/May-II/805/(57)/75-76.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. M-160, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi, on 30-5-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri U. P. Sharma, s/o Pt. Garija Prasad, R/o 4140,
Gali Shahtara, Aneri Gate, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri S. Amrik Singh Wali, s/o Shri Mela Singh Wali,
R/o Jullundur, through S. Mela Singh (General Attorney)
s/o Shri Nihal Chand, C/o 44/1, Regal
Building, Con. Place, New Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri S. Amrik Singh Wali, s/o Shri S. Mela Singh
Wali, R/o Jullundur through Shri S. Mela Singh
Wali (General Attorney) s/o Shri Nihal Chand,
C/o 44/1, Regal Building New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-160 measuring 400 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :

North : Plot No. M-158
East : Road
South : Plot No. M-162
West : Service Lane.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

Date, 21-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.4/14-A, Sahib Singh Bldg. 3rd Floor
Sahib Singh Building New Delhi.

New Delhi, the 22nd October 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/June-I/SRIII/(35)/831/75-76.—
 Whereas, I, C. V. Gupte,
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe
 that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Kh. No. 221-4(4-16), 222(4-16), 223(4-16), 224(2-10),
 225(4-16), 226(4-16), 228(3-0), 224/2(2-6) 228/2(1-16),
 227(4-16), 230(4-16) Village Sahupur, Tehsil Meharuli,
 Delhi,
 (and more fully described in
 the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Delhi on 6-6-1975,
 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rupendra Majithia, w/o Sardar Gurnihal Singh Majithia, R/o 112, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Ram, s/o Shri Faqir Chand Kakar, R/o 166, Sammual Street, Bombay-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 43 Bighas 4 Biswas in Khasra No. 221(4-16), 222(4-16), 223(4-16), 224(2-10), 225(4-16), 226(4-16), 228/1(3-0), 224(2-6), 228/2(1-16), 227(4-16), 230(4-16) with Tube wells, ware House, boundry walls, servant quarter, trees, grapes cheapers, water connections in Village Sahupur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTE
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Labha Ram Kapoor s/o Shri Kishan Chand Kapoor, r/o 2191, Gali Jani Khan, Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Om Wati Devi, w/o Shri Kanti Prasad, r/o, 423, Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
4-A14, Asaf Ali Road, 3rd Floor.

New Delhi, the 27th October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1862(910)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 8/2191, situated at Gali Jani Khan Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of two storeyed house No. 8/2191 gali Jani Khan, Kucha Aqil Khan, Bazar, Sita Ram Delhi and bounded as under :—

North : House No. 2192
East : House No. 2207 & 2208
South : House No. 2210
West : Gali

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Labha Ram Kapoor s/o Shri Kishan Chand Kapoor, r/o 2191, Gali Jani Khan, Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Om Wati Devi w/o Shri Kanti Prasad r/o 423, Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

4-A14, Asaf Ali Road, 3rd Floor,

New Delhi, the 27th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1933(909)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/2191, situated at Gali Jani Khan, Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of two storeyed house No. 8/2191 Gali Jani Khan, Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, Delhi and bounded as under :—

North : House No. 2192

East : Remaining portion of House No. 2191

South : House No. 2210

West : Gali

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM 1TNS—

(1) Shri Ram Kishore s/o L. Kanwal Kishore r/o 1063
Gandhi Gali, Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
4-A/14, Asaf Ali Road, 3rd Floor, New Delhi

New Delhi, the 27th October 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/2021(911)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5475 to 5478 & 5493-94 situated at Plot No. 10 G. B. Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sv/Shri (1) Surinder Kumar Raheja (2) Darshan Kumar Raheja (3) Ashok Kumar Raheja (4) Kallash Kumar Raheja (5) Promod Raheja sons of Shri Mohan Lal Raheja residents of No. W-1, West Patel Nagar Main Road, New Delhi.

(Transferee)

(3) (1) Smt. Krishna Kumari wd/o Sh. Des Raj G.F. (2) Sh. Kanhiya Lal s/o Radhey Mohan G.F. (3) Sh. Tilak Raj s/o Wh. Dewan Chand Back shop at G.F. (4) Sh. Radha Kishan and Narinder Kumar sons of Sh. Hari Chand Ground floor (5) Mst. Hazra d/o Alahrakha (F.F.Flat) (6) Amber (F.F.Flat) (7) Majida (2nd floor Flat) (8) Smt. Promila Devi d/o Amber (flat on F.F.) (9) Mst. Kultam d/o Ahmed Bakhash (flat on 2nd floor).

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed house constructed on a plot of land measuring 207.4 sq. yds at Municipal No. 5475 to 5478 & 5493 to 5494 on plot No. 70 G.B. Road, Delhi & bounded as under :—

North : Building on plot No. 71

South : Building on plot No. 69

East : Service lane

West : Main G.B. Road (known as Shardhanand Marg).

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Sudharani Bakshi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Sakti Pada Bhattacharjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.**

Calcutta, the 25th October 1975

Ref. No. AC-20/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Balidanga, situated at Chotonilpur, Dist-Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece & parcel of ground floor of 2-stored building & other structures including land area of 10 cottahs (more or less) situated at chotonilpur Road, Mouza Balidanga Kh. No. 182 Dag No. 260 & 261, Dist-Burdwan more particularly as per deed No. 2362 dated 14-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date : 25-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sudharani Bakshi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Krishna Bhattacharjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA.

Calcutta, the 25th October 1975

Ref. No. AC-21/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Balidanga, situated at Chotonilpur, Dist-Burdwan, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burdwan on 13-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

26—326GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of first floor of a 2-stored building including land on which the building is erected together with casement right situated at Chotonilpur Road, Mouza Balidanga Kh. No. 182 Dag Nos. 260 & 261, Dist-Burdwan more particularly as per deed No. 2335 dated 13-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date : 25-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) The Great India Trading Co. Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shree Kumar Mohata.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 29th October 1975

Ref. No. TR-342/C-328/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Habarley Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North on 5-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Cottahs 15 Chittacks and 15 Sq. ft. with huts at 5, Habarley Lane, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Ashalata Basu Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 25th October 1975

Ref. No. AC-224/R-JV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Digla Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 29-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mintgraph (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) M/s Spawks Engineering Pvt. Ltd.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

More or less 15 Cottahs of vacant land, premises No. 7 Digla Road, P.S. Dum Dum, District 24 Parganas and as more particularly described in the instrument of transfer.

A. K. BATABYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date : 25-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Maharaja Pratap Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th October 1975

Ref. No. TR-356/C-342/Cal-1/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/3, situated at Hungerford Street, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North on 20-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Latika Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 1 Cottah 10 Chittack and 23 Sq. ft. together with two storied brick-built structure at 9/3 Hungerford Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Calcutta-16.

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Ashalata Basu Roy.

(Transferor)

(2) Mintgraph (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) M/s Spawks Engineering Pvt. Ltd.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 25th October 1975

Ref. No. AC-225/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 7, situated at Digla Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore on 3-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

More or less 4 cottahs of land & building thereon at No. 7 Digla Road, P. S. Dum, Dum, Dist. 24, Parganas and as more particularly described in the instrument of transfer.

A. K. BATABYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 25-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mayarani Dhar, w/o Sri Rathindra Nath Dhar,
Borjuli, P. S. Kotwali Dist. Tripura West.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th October 1975

Ref. No. A-119/Agt/75-76/3527-36.—Whereas, I, Egbert Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Jots No. 1716, Khatian No. 13717 Plot No. 2034/32754, situated at Mouja Agartala Sheet No. 3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agartala on 23-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Malati Banik, w/o Sri Kalipada Banik, Ram Nagar Road No. 4 Agartala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) ganda and 8 (eight) DHUR including a Bengal type house situated at Ramnagar Road No. 4 within the Agartala town.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Bengal Tea Company Ltd. 9 Brabourne Road,
Calcutta-I.
(Transferor)

(2) M/s Kanoi (India) Pvt. Ltd. 24, R. N. Mukherjee,
Road, Calcutta-I.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG**

Shillong the 28th October 1975

Ref. No. A-120/SIB/75-76/3633-43.—Whereas, I,
Egbert Singh,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as stated in the schedule below situated at Nazira, District
Sibsagar, Assam.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Calcutta on 26-3-75.
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period
expires later;

(b) by any of the person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land with tea bushes, seedlings, machinery, factories, build-
ings, bungalows, godowns, vehicles etc. of Tea Estate known
as Mackaypore Tea Estate, Nazira in the District of Sibsagar,
Assam.

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following
persons namely :—

Date : 28-10-75.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA-411004.**

Poona, the 24th October 1975

Ref. No. C.A.5/March'75/Thana/251/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S. No. 163, 1 to 8,166 H. No. 1, 2 & 3 situated at Kavesar Vill. Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Thana on March, 75' for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Afzal A. Sattar constituted attorney of Mr. Mohamed Hussain J. Allana, Satar, Sea View, Chowpatty, Bombay-7.
(Transferor)

(2) Shri Khatizabai Abdul Sattar and others, partners of Bharat Cold Storage, 270, Maulana Shaukat Ali Road, Bombay-8.
(Transferee)

(3) Bharat Cold Storage, 170, Maulana Shaukat Ali Road, Bombay-8.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 163-1 to 8, 166 Hissa No. 1, 2 & 3 Tota 1 Area 8093.74 sq. metrs. at Village & Kaversar Village, Dist. Thana. (as described in the sale deed registered under No. 174 of March 75, in the office of the Sub Registrar, Thana).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 24-10-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Afzal, A. Sattar—constituted attorney of Abdul Razak Jusab Allana, Satar Sea View, Chowpatti, Bombay-7.

(Transferor)

(2) Shri Khalijabai Abdul Sattar and others partners : Bharat Cold Storage, 170 Maulana Shaukat Ali Road, Bombay-8.

(Transferee)

(3) Bharat Cold Storage, 170, Maulana Shaukat Ali Road, Bombay-8.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.

Poona, the 24th October 1975

Ref. No. C.A.5/March'75/Thana/250/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 163 1 to 8 & 166, H. No. 4 to 7 (Part) situated at Kavesar Village, Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Thana on March, 75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—326GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey Nos. 163 1 to 8 166 Hissa No. 4, 5, 6P, 7P & (Part)
Total area : 10218.35 sq. metres. approx. situated at Kavesar Village, Dist. Thana.

(as described in the sale deed registered under No. 175 of March 75 in the office of the Sub Registrar, Thana)

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 24-10-75.

Seal :

FORM 1TNS

(1) M/s. Hindustan Builders through its partner Sri Hari Kishan, S/o Sri Shamlal Gupta, Unity House 5-9-253 Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th October 1975

Ref. No. RAC. No. 148/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman,
being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop No. 2 Ground floor situated Abid Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 29-3-75
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) 1. Smt. Bina S. Baldev W/o Sri Sharad E. Baldev,
2. Miss Chandrika Baldev, D/o Sri Ratilal, R/o 124
Jeera Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 2 on ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-10-1975.
Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s. Hindustan Builders, its Partner Sri Hari Kishan at Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Ravindhar Kumar Gupta, R/o Gandhi Bazar, at High Court, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th October 1975

Ref. No. RAC. No. 150/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 14 of Ground floor of Unity House, situated at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 14 of Ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sreelata W/o Sri Anand Kumar, H. No. 144-
47 at Begum Bazar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindustan Builders, through its partner Sri Hari Kishan, Unity House Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th October 1975

Ref. No. RAC. No. 149/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 33 of Unity House at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 29-3-75

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 33 Ground floor of Unity House Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Hindustan Builders, P/r Sri Hari Kishan R/o
Unity House Abid Road, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th October 1975

Ref. No. RAC. No. 151/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman,
being the competent authority under Section 269M of the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 36 ground floor of Unity House Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 29-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the aforesaid property by the issue of this notice under following persons, namely :—

(2) 1. Sri Jagmohan, 2. Sri Hanumanth Kumar, both are residing at 21-2-104 at Charkaman, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Shop No. 36 Ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 27-10-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th October 1975

Ref. No. ASR/73-74/P-126/S-68/739.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One Banglow situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January on 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Kabl Singh, Smt. Raj Kaur w/o Shri Surjeet Singh r/o Bhagat Pura Teh. Amritsar 7 S. Harjit Singh Sandhu s/o Shri Gurdial Singh Sandhu r/o Chappa Ram Singh, Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harjit Singh Sandhu s/o Shri Gurdial Singh r/o Chappa Ram Singh Teh. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & parties as per Annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'

1. Shri Udhamb Singh, 3 Hukam Singh Road, Amritsar.
2. Shri R. K. Kumra, 3 Hukam Singh Road, Amritsar.
3. Shri Shanti Sarup Bhatla, 3 Hukam Singh Road, Amritsar.
4. Shri Chatter Bhuj Gupta, 3 Hukam Singh Road, Amritsar. Party impleaded.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow as mentioned in the Registered Deed No. 2702 of January, 1973 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM JTNS—

(1) Shri Gauri Shanker, (Love Lane, Dalhousie.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Promila Kumar, 262, Section 11-A, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 23rd October 1975

Ref. No. DLS/1/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building 'E-kant' with out-houses and orchard, situated at Dalhousie, (Himachal Pradesh) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dalhousie in March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building 'Ekant' with out-houses and orchard, Dalhousie. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 4 of March, 1975 of the Registering Officer, Dalhousie.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

FORM ITNS

(1) Shri Amir Chand, s/o Shri Duni Chand, c/o Mr. S. B. Sikka, 61-E, Vcenus Apartments, 16th Floor, Worli, Bombay-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 22nd October 1975

Ref. No. RTK/1/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 409-B-III, Ward No. 13 (M. C. No. 31 to 35), Civil Road, (one half share), situated at Rohtak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(2) Smt. Nirmal Kumari, w/o Shri Krishan Lal, s/o Shri Vir Bhan, House No. 662-B-I, Dheri Mohalla, Near Mata Darwaja, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in residential House No. 409-B-III, Ward No. 13, Civil Road, (M.C. No. 31 to 35), Rohtak,
East—Street.
West—do—
North—do—
South—Civil Road
Frontage is on the South.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 22-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohd. Iftikhar Ali Khan, Malerkotla.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 27th October 1975

Ref. No. MKL/1/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, measuring 81 Kanals and 16 marlas, alongwith super structures therefor, situated at Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in April, 1975.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—326GI/75

(2) (i) Smt. Sajida Begum, w/o Shri Mohd. Iftikhar Ali Khan. (ii) Smt. Raksha Rani, w/o Shri Naubat Rai Jain, Residents of Malerkotla.

(Transferee)

(3) (i) The Sub-Divisional Magistrate, Malerkotla.
(ii) Manager, Government Poultry Farm, Department of Animal Husbandry, Malerkotla.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 81 kanals and 16 marlas, situated at Thandi Sarak, Malerkotla, alongwith super structure thereon. Khewat No. 256, Khatauni No. 325, 380, 381, 382.

Khasra Nos. 2612/31-4.,	2612	2612	2649	2649
	6-0	8-0	8-0	28-12

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(1) 1. Pasumarthi Ranganakulu 2. P. Viswanatham,
3. P. Veerraju, 4. P. V. Bhimasakaram 5. P. V.
Bima Sankara Rao 6. P. Ranganakulu 7. P. V.
Ranganakulu 8. P. Satyanarayana Murthy.
Draksharama. 4, 5 & 6 being minors by guardian
father Sri P. Viswanatham (S. No. 2) 7 being
minor by guardian father P. Veerraju (S. No. 3).
(Transferor)

(2) Smt. Chitturi Saroja W/o Prakasara, Ramachendrapuram.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 9th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 246/I, No. I (628)/EG/74-75.—
Whereas, I, B. V. Subbarao
being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door No. 11-1-4 to 8 Main Road, situated at Ramachendrapuram

(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ramachendrapuram on 15-3-75

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated is the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 542/75 of the SRO, Ramaohendrapuram.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-10-1975,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Bulusu Veerabhadramma W/o Late B.
Papayya Sastry.
(Transferor)

(2) Dr. Syamala Subbarao, Rajahmundry.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 23rd October 1975

Ref. No. Acq. File No. 248/J. No. 633/EG.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-22-11 situated at Danavaipeta Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 15-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 or 1922 or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per document No. 1110/75 of S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 23-10-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Maddali Venkata Ramanāmīma, alias Alivelu Mangamma, Krishnadevipeta.
(Transferee)(2) Shri Kasireddy Ganga Raju S/o Perraju, Gollaprolu.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq. File No./J. No. I(624)/EG/74-75.—
 Whereas, I. B. V. Subba Rao,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 134/2 situated at Ramannapalem Pratipadu Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pratipadu on 31-3-75
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property bearing document No. 2036 registered before the Sub-Registrar, Kakinada on 31-3-75.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kakarlamidu Gurumurthy, S/o Dakrishnamurthy, Rajahmundry.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. I. Mathai, S/o Isaish.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 249/J. No. I(601)/EG.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-3-6 situated at Danavaipetta Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 28-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per document No. 664/75 of S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 25-10-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri E. Ramanujamma W/o Chinna Swamy, Retd.
District Forest Officer, Srinagar, Kakinada.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 255/J. No. I(604) EG.—Whereas, I, 'B.'V. Subbarao being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 8-20-10 situated at Chavalivari Street Gandhinagaram, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 28-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1387 of the S.R.O., Kakinada.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. H. M. Lazarus, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Miss Gowthami Chowdary, D/o Dr. Venkaiah
Chowdary, Visakhapatnam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq. File No. 257/J.No. 209/VSP/74-75.—
 Whereas, I, B. V. Subba Rao,
 being the competent authority under section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 10-15-1, Waltair Main Road, Visakhapatnam
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at
 Visakhapatnam on 15-2-75
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
 herein as are defined in Chapter
 XXA of the said Act, shall have the
 same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 361/75 of the
 SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Date : 28-10-1975
 Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. H. M. Lazarus, Visakhapatnam,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 258/J. No. VSP. 210/74-75.—
Whereas, I. B. V. Subba Rao,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 10-15-1 situated at Waltair Main Road, Visakhapatnam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Visakhapatnam on 15-2-75
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

- (1) Dr. H. M. Lazarus, Visakhapatnam,
(Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Basava Punnamma Chowdary, W/o Dr.
Venkaiah Chowdary, Visakhapatnam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 362/75 of the
SRO, Visakhapatnam.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th October 1975

Ref. No. F. IX/2/14/1975-76.—Whereas, I, G. Ramana-than being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 15 situated at Harrington Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on 14-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—326GI/75

(1) Shri J. H. Tarapore,
15, Harrington Road,
Chetpur, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Nair,
W/o Mr. K. N. R. Nair,
6/1, Harrington Road,
Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 2255 sq. ft. at No. 15 (R.S. Nos. 324, 329—Plot No. K) Harrington Road, Madras-31.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date . 30-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri J. H. Tarapore,
15, Harrington Road,
Chetpur, Madras-31.

(Transferor)

(2) Smt. B. V. Shashi Reddy,
3/7, Harrington Road,
Chetpur, Madras-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 30th October 1975

Ref. No. F. IX/1/33/1975-76.—Whereas, I, G. Ramanathan,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 15 situated at Harrington Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on 30-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 380 sy. ft. at Door No. 15 (Survey No. 324—Plot No. 'D') Harrington Road, Chetpur, Madras-31.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 30-10-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Yamuna Devi, widow of late Shri Bhram Duttji Shatri, Resident of Najabgarh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 1st November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/279.—Whereas, J. C. S. Jain (hereinafter referred to as the said Act) being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 30A, Ballabhnagar, situated at Gumanpura, Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 4-3-75 & 21-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Bali Devi, widow of late Shri Balchand Saravgi, resident of Sujangarh (Dist. Churu),
(2) M/s. Modern Auto Traders, Aerodrome Road, Kota.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) Back portion of ground floor of house constructed on plot No. 30A, Ballabhnagar Extension, Gumanpura, Kota.

(2) First floor of House No. 30A, Ballabhnagar, Gumanpura, Kota.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 1-11-75

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
APRIL, 1976

New Delhi, the 15th November 1975

No. F.8/3/75-EI(B).—A combined competitive examination for admission to

- (i) Indian Military Academy for the 62nd Course commencing in January, 1977;
- (ii) Indian Navy Special Entry Cadets to undergo training at Naval Academy, Cochin for the course commencing in January, 1977; and
- (iii) the Officers Training School, Madras for 25th Course commencing in May, 1977.

will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, AJMERAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA AND TRIVANDRUM commencing on the 27th April, 1976 in accordance with Notification No. 19 dated the 22nd October, 1975 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India, dated 15th November, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is given below:—

- (i) India Military Academy—88
- (ii) Naval Academy, Cochin—45
- (iii) Officers' Training School, Madras—200

The above numbers are liable to alteration.

3. (i) A candidate for admission to Indian Military Academy and Indian Naval Academy must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd January, 1955 and not later than 1st January, 1958.

(ii) A candidate for admission to Officers Training School must be a male and must have been born not earlier than 2nd January, 1954 and not later than 1st January, 1958.

The above age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

- (i) Headquarters Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay, Tamilnadu, Mysore and Kerala Area, St. Thomas Mount, and 101 Comm. Z Area.

(ii) Headquarters, Bombay Sub-Area; Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/Poona Sub-Area, Poona/Calcutta Sub-Area, Calcutta/Madhya Pradesh Sub-Area, Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Mysore Sub-Area, Bangalore/Andhra (Indep.) Sub-Area, Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapole/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area, Madras/North Bengal Sub-Area, 21, 31, 41 and 51 Comm. Sub-Area C/o 99APO and 61 Indep. Comm. Z. C/o 56APO, Sub-Area, Allahabad.

(iii) Station Headquarters—Bengaluru (WB) Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagar, Gaubati and Jaipur (Raj).

(iv) All recruiting Offices.

(v) All National Cadet Corps Units.

(vi) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command, Bombay.

(vii) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.

(viii) The Flag Officer Commanding, Southern Naval Area Cochin.

(ix) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.

(x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.

(xi) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.

(xii) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.

(xiii) The Naval Officer-in-Charge, Goa.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, APRIL, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, APRIL, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 5th January, 1976 (19th January, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 5th January, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence Authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid.*

7. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or more of the courses covered by the scheme of the examination in accordance with the Ministry of Defence Notification No. 19, dated 22nd Oct. 1975. Once an application has been made on change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be considered for more than one course he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the courses for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in the applications the course(s) for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to, so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making recommendations for admission to the courses.

8. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. If any candidate who is taking the combined Defence Services Examination November, 1975 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of admission to the respective courses. If he is recommended for admission to any of the courses on the results of the aforesaid examination his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination. *vide* para 3 of Annexure I provided the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 31st August, 1976.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their application, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and had migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India, on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below paragraph 9 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or with otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para

4 of the Notice. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 5th January, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of application form) at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's office after the closing date, will not be considered.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

Note.—Naval Ratings (including boys and artificer apprentices) except Special Service Ratings having less than six months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Ratings having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their commanding officers.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified Copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. \times 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

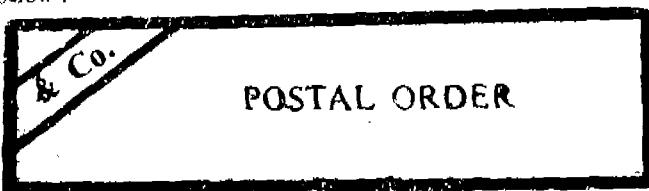
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 5 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for free remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF AUGUST, 1976, CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 5 and 6—

(i) (a) **CROSSED Indian Postal Orders**, for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED Bank draft for the prescribed fee.**—

Bank draft should be obtained from any branch of the State Bank of India, and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission, payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Highest Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition, to the attested/certified copy of the Matriculation/Highest Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Highest Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Highest Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application, may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) **Certificate of Educational Qualification.**—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 9 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority i.e., (University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider his evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 1st December, 1976 for admission to the Indian Military Academy and Naval Academy Courses and 10th March, 1977 for admission to the Short Service Commission (Non-Technical) Course.

(iv) **Copies of Photograph.**—The candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent.

after the submission of the application, and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the originals of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son* of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of _____

Signature.....
**Designation.....
(with seal of office)
State*/Union Territory.....

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate, from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who was migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of

the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published two monographs as mentioned below. The purpose of publishing these monographs is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards :—

- (1) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW I and PRW II.
- (2) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW 24 and ISP 45.

The Monographs are priced publications and are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1.

12. Communications regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change of Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 12 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS AG'S BRANCH RTG., 6 (SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

14. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6(SP) (a) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination, should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible, take this into consideration before fixing the dates of interview.